संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 136
पृष्ठ 8
बुधवार
04 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- त्वचा को रखना है यंग और...

विचार- पहले सत्ता लोगों से डरती थी...

खेल- टीम इंडिया पसंदीदा, पर कागजों पर...

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, प्रधानमंत्री बोले-

केंद्र सरकार हमेशा राष्ट्र के हित में काम करती है

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बनी सहमति के बाद मंगलवार (03 फरवरी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए संसदीय दल की बैठक में पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। संसद में जारी बजट सत्र के बीच संसद परिसर में एनडीए सांसदों की बैठक हुई। जहां पीएम मोदी ने सभी सांसदों से सदन में मौजूद रहने और चर्चा में हिस्सा लेने के लिए कहा। पार्लियामेंट एनेक्सी बिल्डिंग में आयोजित हुई एनडीए सांसदों की बैठक की पीएम मोदी ने अध्यक्षता की। जहां एक तरफ पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों को चर्चा में हिस्सा लेने के लिए कहा। साथ ही अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर खुशी जाहिर करते हुए सब्र का फल बताया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा निर्णय है, जिससे देश में सभी को लाभ होगा, और उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार हमेशा राष्ट्र के हित में काम करती है। गठबंधन सरकार के सांसदों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में ये टिप्पणियां कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक में एनडीए नेताओं से कहा कि गठबंधन अपनी जन-हितैषी नीतियों और कड़ी मेहनत से अलग-अलग चुनाव जीत रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सांसदों से यह भी कहा कि उन्हें स्थानीय निकायों सहित अलग-अलग चुनावों में अपनी जीत से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि अच्छा काम जारी रखना चाहिए।

बैठक में पीएम मोदी को एनडीए नेताओं ने 39 देशों के साथ व्यापार समझौते सफलतापूर्वक पूरे करने के लिए सम्मानित किया। किरेन रिजिजू बताया कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने और टैरिफ घटाने से पूरे देश में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा, श्सांसदों में इस बात को लेकर उत्साह है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ये व्यापार समझौते संपन्न हुए हैं। कुल 39 देशों के साथ व्यापार समझौते हुए हैं। यह ऐतिहासिक है। ये सभी 39 देश विकसित देश हैं। देश में बहुत ही सकारात्मक माहौल है।श रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को अपने संसदीय और कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, श्प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए अपने अच्छे कामों की बदौलत लगातार चुनाव जीत रहा है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम किए बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता। हमें जमीनी स्तर पर उतरकर जनता के कल्याण के लिए अच्छा काम करना होगा। बैठक में नव-निर्वाचित भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का भी औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। बैठक में भाजपा, टीडीपी, जेडीयू, एलजेपी (आर), शिवसेना, जेडीएस और एनडीए के अन्य घटक दलों के सांसद बैठक में शामिल हुए।

सीजेआई सूर्यकांत की दो टूक

यह न्याय व्यवस्था के लिए बीमारी, अब इलाज

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स में फैसले सुनाने और उन्हें सार्वजनिक करने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह न्याय व्यवस्था की एक पहचान योग्य बीमारी बन चुकी है, जिसे अब जड़ से खत्म करना जरूरी है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि समय पर न्याय न मिलना, न्याय से वंचित किए जाने जैसा ही है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ झारखंड हाईकोर्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट ने 4 दिसंबर 2025 को याचिका खारिज करने का मौखिक आदेश तो सुना दिया, लेकिन महीनों बाद भी उसका लिखित फैसला अपलोड नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से पेश वकील से कहा कि इस तरह की देरी का कोई औचित्य नहीं है और निर्देश दिया कि पूरा फैसला अगले सप्ताह के अंत तक संबंधित वकील को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, मामले को फरवरी 16 से शुरू होने वाले सप्ताह में फिर सूचीबद्ध करने का आदेश दिया गया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका के भीतर इस समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कुछ जज बेहद मेहनती होते हैं, कई मामलों की सुनवाई कर फैसले सुरक्षित रखते हैं, लेकिन फिर लंबे समय तक निर्णय नहीं देते। यह व्यक्तिगत आरोप नहीं है, बल्कि पूरी न्यायपालिका के सामने एक चुनौती है। यह बीमारी है और इसे फैलने नहीं दिया जा सकता। सीजेआई ने यह भी चिंता जताई कि कई मामलों में बहस पूरी होने के बाद भी केस को बार-बार आगे के निर्देशों के लिए सूचीबद्ध किया जाता है। जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी बढ़ती है। सीजेआई ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि हाईकोर्ट जज के रूप में अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में मैंने कभी भी ऐसा नहीं किया कि फैसला सुरक्षित रखा हो और तीन महीने के भीतर सुनाया न हो।

यूएस ट्रेड डील पर संजय राउत का बड़ा आरोप, बोले-

ये गौतम अडाणी को बचाने के लिए हुई

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना के यूबीटी सांसद संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह समझौता राष्ट्रीय हित और किसानों के कल्याण से समझौता करता है। इस समझौते से भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ में 18: की कमी आई है, जिससे कपड़ा, दवा और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों को लाभ होगा। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि पूरा विपक्ष राज्यसभा से वॉकआउट कर गया। राष्ट्रीय हित और किसानों के हित से समझौता किया गया है। मुझे लगता है कि यह व्यापार समझौता गौतम अडानी को बचाने के लिए किया गया है, और हम इसके खिलाफ सड़कों से लेकर संसद तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। अरविंद सावंत ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय बजट का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि क्या आपने अपना बजट देखा

है? उस बजट में आपने शून्य प्रतिशत शुल्क लगाया है। सभी वस्तुएं अमेरिका से आ रही हैं। अमेरिका पाकिस्तान पर 10: कर लगाता है, जबकि पहले वह हम पर 3प्रतिशत कर लगाता था।

आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों ने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई है जिसके तहत अमेरिका पारस्परिक शुल्क को घटाकर 25प्रतिशत से 18प्रतिशत कर देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में घोषणा की कि अब मेड इन इंडिया उत्पादों पर अमेरिका का शुल्क घटकर 18प्रतिशत हो जाएगा और उन्होंने इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 14 लाख जनता की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद दिया। इससे पहले, मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिकी दबाव में भारतीय किसानों को बेचने का आरोप लगाया था। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी घबराए हुए हैं। पिछले कुछ महीनों से रुका हुआ (अमेरिका-भारत) व्यापार समझौता कल रात नरेंद्र मोदी ने हस्ताक्षरित कर दिया। उन पर अत्यधिक दबाव है। नरेंद्र मोदी जी की छवि खराब हो सकती है। मुख्य बात यह है कि हमारे प्रधानमंत्री की छवि खराब हो रही है। जनता को इस बारे में सोचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने किया ''उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0'' का शुभारंभ

ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी यूपी की पहचान-मुख्यमंत्री

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी ने आज होटल ताज में वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के महासंगम "उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0" का शुभारंभ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज केवल एक राज्य नहीं बल्कि निवेशकों के लिए भरोसे की गारंटी बन चुका है। प्रदेश सरकार हर निवेशक को ट्रिपल-एस यानि सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूर्ण गारंटी देती है और उत्तर प्रदेश आज ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी का रोल मॉडल बनकर उभरा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में रूल ऑफ लॉ पूरी मजबूती से लागू है। कानून से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। यदि कोई कानून को आंख दिखाने की कोशिश करता है, तो कानून अपने दायरे में लाकर उसे उसकी ही भाषा में जवाब देता है। यह नया उत्तर प्रदेश है, जहां व्यवस्था कमजोर नहीं, बल्कि निर्णायक है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में उत्तर प्रदेश असुरक्षा, अराजकता और अविश्वास का पर्याय बन चुका था। 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 900 से अधिक दंगे हुए। शायद ही कोई शहर रहा हो, जहां कर्फ्यू न लगा हो। उद्योग, व्यापार और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था। सुरक्षा के अभाव में पहले से स्थापित उद्योग भी प्रदेश छोड़ने पर मजबूर थे, युवा वर्ग पलायन कर रहा था। जिस धरती पर बचपन बीता हो, उसे छोड़ना किसी के लिए भी पीड़ादायक होता है, लेकिन असुरक्षा के चलते मजबूरी थी। यह केवल किसी एक उद्यमी की पीड़ा नहीं थी, बल्कि हर व्यापारी, हर निवेशक और हर नागरिक की व्यथा थी।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें यह दायित्व सौंपा, तो सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और नागरिकों के मन में विश्वास पैदा करना था। सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। हमने कहा कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा, चाहे कोई कितना प्रभावशाली क्यों न हो। आज इसका परिणाम सबके सामने है। उत्तर प्रदेश आज डी-रेगुलेशन रैंकिंग में देश में नंबर वन है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर बन चुका है। डी-क्रिमिनलाइजेशन के तहत 13 राज्य अधिनियमों में मौजूद आपराधिक प्रावधानों को समाप्त किया गया, ताकि उद्योग बिना भय और बाधा के कार्य कर सकें।

एमएसएमई सेक्टर में निवेश करने वाले उद्यमियों को 1000 दिनों तक निरीक्षण से छूट दी गई है। कई अन्य सेक्टरों में भी प्रक्रियाओं को सरल किया गया है। सरकार का उद्देश्य उद्योगों को डराना नहीं, बल्कि उन्हें सुविधा देना है। 2017 से पहले प्रदेश में 14,000 कारखाने कार्यरत थे, जो आज बढ़कर 30,000 से अधिक हो चुके हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन सरकार डबल स्पीड से काम कर रही है। प्रदेश में अब तक 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें

20 लाख करोड़ प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है और कई प्रोजेक्ट्स में उत्पादन भी शुरू हो चुका है।उत्तर प्रदेश को फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए ठोस नीति और स्पष्ट विजन के साथ कार्य किया जा रहा है। ललितपुर में विकसित किया जा रहा बल्क ड्रग फार्मा पार्क केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं होगा, बल्कि इसे हब एंड स्पोक मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, अत्याधुनिक आर एंड डी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गौतम बुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क, यूएस-एफडीए टेस्टिंग लैब और वर्ल्ड-क्लास लॉजिस्टिक्स हब विकसित किए जा रहे हैं। फरवरी के दूसरे सप्ताह में बजट सत्र के माध्यम से लखनऊ में एक वर्ल्ड-क्लास फार्मा इंस्टीट्यूट के निर्माण की दिशा में भी कदम बढ़ाया जाएगा। बरेली सहित अन्य जनपदों में भी नए फार्मा पार्क विकसित किए जाएंगे। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ओडीओपी के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने 'लोकल को ग्लोबल' बनाने का सफल मॉडल प्रस्तुत किया है। आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में देश का55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स में 60 प्रतिशत उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में हो रहा है। पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

सुप्रीम कोर्ट की मेटा व्हाट्सएप को सीधी चेतावनी, संविधान मानें या भारत छोड़ दें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा की डेटा साझाकरण प्रथाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह सुनवाई भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उस आदेश के विरुद्ध दायर अपीलों के एक समूह की सुनवाई के दौरान हुई, जिसमें व्हाट्सएप की 2021 की स्वीकार करो या छोड़ दो। 4 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने सीसीआई के जुर्माने को बरकरार रखा, लेकिन नियामक द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को पलटते हुए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए डेटा साझाकरण की आंशिक अनुमति दी। इसके बाद, 15 दिसंबर, 2025 को एक स्पष्टीकरण जारी किया गया जिसमें अनिवार्य किया गया कि विज्ञापन से संबंधित डेटा साझाकरण जारी रह सकता है, लेकिन सभी प्रकार के डेटा साझाकरण, चाहे वह विज्ञापन से संबंधित हो या गैर-विज्ञापन से, उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट ऑप्ट-आउट अधिकार प्रदान करना आवश्यक है। पीठ ने ऑप्ट-आउट तंत्रों की प्रभावशीलता पर भी चिंता व्यक्त की, यह देखते हुए कि तमिलनाडु या बिहार के किसी दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाला कोई सड़क विक्रेता या व्यक्ति गोपनीयता नीतियों में प्रयुक्त ष्चालाक भाषाष को नहीं समझ सकता है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि उपभोक्ताओं का व्यावसायिक शोषण किया जा रहा है और मौन उपभोक्ताओं को आवाजहीन व्यवस्था का शिकार बताया। न्यायालय ने आगे कहा कि उपयोगकर्ता ऐसे प्लेटफार्मों के आदी हो गए हैं।

ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले एसआईआर कराने पर उठाए सवाल, बोलीं- असम को क्यों छोड़ा गया ?

नई दिल्ली,एजेंसी। एसआईआर पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंगाल में इसे लेकर लगातार विवाद बढ़ रहा है। इसी बीच नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर केंद्र और चुनाव तंत्र पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, उन्हें अपना पक्ष रखने का उचित मौका नहीं दिया जा रहा। ममता बनर्जी ने इसे चुनाव से ठीक पहले की गई संदिग्ध कार्रवाई बताया। ममता बनर्जी ने कहा कि उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद लोग एसआईआर प्रक्रिया के

पीड़ित हैं और ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। उनके अनुसार कई वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित लोगों को न तो ठीक से सूचना दी जा रही है और न ही उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने एसआईआर की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई। उन्होंने पूछा कि क्या इतनी बड़ी जांच बिना लंबी तैयारी के दोदृतीन महीने में पूरी की जा सकती है। उनके मुताबिक इससे चुनावी निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं और मतदाताओं में भ्रम की स्थिति बनती है। ममता बनर्जी ने कहा कि चार चुनावी राज्यों में से तीन में एसआईआर किया जा रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में यह प्रक्रिया नहीं हो रही। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण करार दिया। उनका आरोप है कि विपक्ष शासित राज्यों को निशाना बनाकर यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

उन्होंने बताया कि एक दिन पहले वह प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने गई थीं और एसआईआर से प्रभावित लोगों को भी साथ ले गईं। ममता बनर्जी का कहना है कि बैठक के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं हुआ, जिसके विरोध में उन्होंने बैठक छोड़ दी।

राज्यसभा में स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

सरकार अत्यधिक नमक सेवन के खतरों के बारे में फैला रही जागरूकता

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार (03 फरवरी) को राज्यसभा में बताया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने पाया है कि अत्यधिक नमक का सेवन देश में उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को और बढ़ा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार अत्यधिक नमक सेवन के खतरों के बारे में जागरूकता फैला रही है। स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से, स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने और अत्यधिक नमक के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए ईट राइट इंडिया अभियान चला रही है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत, प्रमुख गतिविधियों में जनसंचार माध्यम और सोशल मीडिया कैंपेन जैसे आज से थोड़ा कम शामिल हैं, जिनका उद्देश्य दैनिक आहार में नमक, चीनी और वसा की मात्रा को धीरे-धीरे कम करने के लिए प्रोत्साहित करना और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए ईट राइट टूलकिट का विकास और प्रसार करना है, ताकि वे लोगों को उच्च वसा, चीनी और नमक (एचएफएसएस) वाले खाद्य पदार्थों को सीमित करने के बारे में सलाह दे सकें।

पंवर में नए कनेक्शन के लिए पैसा लेने का आरोप

प्रयागराज। जल शक्ति मिशन हर घर नल योजना में ग्राम सभा पंवर में नए कनेक्शन के लिए ग्रामीण भटक रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने जिस व्यक्ति को इसके लिए रखा हैं, वह पैसा लेकर नल सेट दे रहा है। मोहम्मद असलम, आबिद अली, बंबइया हरिजन, शमीम अहमद, राकेश कुमार ने बताया कि ग्रामीण नए कनेक्शन के लिए इधर–उधर भटक रहे हैं। आरोप है की देखरेख करने वाला गुप्त तरीके से कनेक्शन के लिए नल (सेट) पैसा लेकर देता है।

खलिहान में लगी आग, आठ बीघा पुआल जला

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के बरनपुर गांव में खेत में रखे पुआल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग से करीब आठ बीघा पुआल जलकर राख हो गया। किसान उमाशंकर सिंह व अनन्य प्रताप सिंह पुत्र श्याम लाल सिंह व प्रेम कुमारी पत्नी रामबली सिंह, अरविंद कुमार सिंह पुत्र रामबली सिंह निवासी बरनपुर थाना कोरांव का गांव की बस्ती से कुछ दूर आठ बीघा खेत है। आठ बीघे खेत का पुआल एक ही जगह पर ढेर बना कर रखा गया था, जिसमें सोमवार को सुबह आग लग गई।

पीड़ित किसान उमाशंकर सिंह खेत पहुंचे तो देखा कि पूरा पुआल जल चुका था। उन्होंने फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची, लेकिन तब तक पुआल का ढेर पूरी तरह से जलकर राख हो गया था। लेखपाल हरिश्चंद्र पटेल ने आश्वासन दिया है कि स्थलीय निरीक्षण कर विधिक कार्रवाई करते हुए क्षतिपूर्ति मुआवजा दिलाया जाएगा। किसानों ने बताया कि पशुओं का निवाला पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। अब पशुओं के चारे पानी के लिए भी दिक्कत होगी।

शॉर्ट सर्किट से चलती कार में लगी आग

प्रयागराज। छिवकी रेलवे स्टेशन से यात्री लेने जा रही एक कार में सोमवार तड़के अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार का अगला हिस्सा धू–धू कर जल उठा। हालांकि समय रहते चालक के बाहर निकल जाने से बड़ा हादसा टल गया। भदोही जनपद के थाना कोइरौना क्षेत्र स्थित छेछुआ गांव निवासी अभिमन्यु सिंह सोमवार सुबह करीब पांच बजे कार से छिवकी रेलवे स्टेशन जा रहे थे। डेंगुरपुर धनतुलसी पीपा पुल पार कर महेवा कला गांव के पास पहुंचे ही थे कि शॉर्ट सर्किट के चलते इंजन से धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग भड़क गई। आग की लपटें तेज होने पर आसपास के लोगों की मदद से किसी तरह स्थिति काबू में लाई गई, लेकिन तब तक कार का अगला भाग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

गोवंश को पीटकर मारने में पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम गठित

प्रयागराज। बेसहारा गोवंश को आधा दर्जन लोगों द्वारा घेर कर पीटने और घसीटने से मौत के मामले में गोवंश के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम गठित की गई है। क्षेत्र के सराय केशव उर्फ बागी निवासी प्रवीण कुमार मिश्र के मुताबिक 24 जनवरी की शाम गांव के आधा दर्जन लोगों ने लाठी–डंडे से बेसहारा गोवंश को पीटा और उसे बांधकर घसीटा इससे गोवंश की मौत हो गई। मौत के बाद जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफन कर दिया गया। पुलिस को शिकायत के बाद पशु चिकित्सा अधिकारी मऊआइमा डॉ. उदय प्रताप पटेल ने तीन सदस्यीय मेडिकल टीम का गठन किया है। उन्होंने बताया कि वीडियोग्राफी के साथ गोवंश का पोस्टमार्टम किया जाएगा। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के बेमरा रेलवे फाटक के समीप रविवार देर रात ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। उसके पास मिले मोबाइल फोन के आधार पर रेलवे पुलिस उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अवैध सिलिका सैंड ले जा रहे ट्रैक्टर को पुलिस ने किया सीज

प्रयागराज। क्षेत्र के बघला रोड पर पुलिस ने अवैध रूप से सिलिका सैंड ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पकड़कर सीज कर दिया। जानकारी के अनुसार, सोमवार को थाना प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह औचक जांच में शिवराजपुरदूबघला मार्ग से जा रहे थे। इसी दौरान बड़े देवन पहाड़ की ओर से सिलिका सैंड लादकर शिवराजपुर की तरफ आ रहे ट्रैक्टर को देखकर उन्होंने रुकवाया और चालक से खनिज परिवहन संबंधी दस्तावेज मांगे लेकिन चालक कोई वैध प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर सका

चोरी का माल खरीदने के आरोप में कबाड़ी व नौकर को जेल

प्रयागराज। लालगोपालगंज स्टेशन रोड स्थित हाईवे की दुकान में चोरी मामले में नवाबगंज पुलिस ने माल मरामद कर आरोपी कबाड़ी व उसके नौकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। रसूलपुर निंदूरा बड़ूपुर निवासी मोहम्मद फैजान की स्टेशन मार्ग पर हार्डवेयर की दुकान है। बीते 30 जनवरी की सुबह वह अपनी दुकान पर पहुंचे तो पांच टन सरिया पार कर दिया गया था। पुलिस ने चोरी की माल के साथ जेठवारा मार्ग स्थित कबाड़ की दुकान मालिक कुंदन जायसवाल निवासी अंजाही व उसके नौकर मोहम्मद जावेद निवासी कस्बा को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

विद्यालय परिसर में घुसा नहर का पानी

प्रयागराज। बहरिया के कहली गांव स्थित संविलयन विद्यालय कहली इन दिनों जलभराव से जूझ रहा है। मऊआइमा रजबहा में तेज बहाव के कारण आसपास के गेहूं के खेत जलमग्न हो गए और पानी विद्यालय परिसर में भी भर गया। विद्यालय प्रांगण में कई दिनों से पानी भरा होने के कारण छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ में चिंता बढ़ गई है। विद्यालय का शौचालय भवन भी पानी से भर गया है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रधानाध्यापक नीरज कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि वह दो दिन के प्रशिक्षण पर बाहर हैं। उन्होंने उच्च अधिकारियों को जलभराव की स्थिति से अवगत करा दिया है।

पुलिस पर हमला, हाईवे किया जाम, सूरज श्रीवास्तव की मौत के बाद बवाल

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के साहूमई के रहने वाले सूरज श्रीवास्तव की मौत के बाद बवाल के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले के 23 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें 9 महिलाएं शामिल हैं।

प्रतापगढ़ के साहूमई के रहने वाले सूरज श्रीवास्तव की मौत के बाद बवाल के दौरान रविवार को पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से 23 लकड़ी के डंडे, दो लोहे की सरिया और छीना गया एक सीयूजी मोबाइल नंबर बरामद किया गया। सोमवार की शाम सभी पकड़े गए आरोपियों का चालान न्यायालय भेजा गया।

मानिकपुर के साहूमई के रहने वाले सूरज श्रीवास्तव की जहरीला पदार्थ खाने के कारण शुक्रवार को मौत हो गई।

उसकी मां ने बेटे की हत्या का आरोप लगाते हुए प्रधानपति समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। गिरफ्तारी की जिद पर अड़े परिजन व ग्रामीण रविवार की शाम शव लेकर हाईवे जाम करने पहुंचे। जहां शव की छीनाझपटी के दौरान ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों में टकराव हो गया।

देखते ही देखते उनके बीच मारपीट और पथराव होने लगा। हमले में थानाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, दरोगा देवीदीन बुंदेला समेत 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। बवालियों ने जीप तोड़ते हुए सरकारी सीयूजी मोबाइल भी छीन लिया। रात में ही थानाध्यक्ष ने नामजद व अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। रात में ही पुलिस आरोपियों की धरपकड़ करने लगी।

पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए मृतक सूरज के घर के आसपास रहने वाले पुरुष घर छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस का दावा है कि मलिक बिटियन मेला ग्राउंड में मौजूद आरोपी थाना फूंकने व फिर से पुलिसकर्मियों पर हमला करने की योजना बनाते समय पकड़े गए। गिरफ्तार 23 आरोपियों में मृतक की मां सुनीता समेत परिजन और पड़ोसी शामिल हैं। एसपी दीपक भूकर ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों का चालान न्यायालय भेजा गया। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

23 गिरफ्तार, नौ महिलाएं भी शामिल

इन लोगों की हुई गिरफ्तारी

मानिकपुर पुलिस ने मृतक सूरज की मां सुनीता देवी, पिता पवन कुमार, भाई मोनू, बहन काजल, चाचा संतोष, महेश कुमार, लक्ष्मीकांत, रामप्यारे , विवेक उर्फ धीरेंद्र, मनोज, दिलीप कुमार, करमचंद्र सरोज, जितेंद्र शुक्ला उर्फ कप्तान, रंजना, सोमवती, अनीता, गुड्डी, पूनम के अलावा लालगंज के बंशी का पुरवा की रहने वाली पुष्पा देवी, शिवानी श्रीवास्तव, रायबरेली के कंदरावा निवासी पवन कुमार, जेठवारा के डेरवा लगुनिया का पुरवा चौरास निवासी सचिन, कुंडा के रहवई निवासी समीर यादव उर्फ अमन को गिरफ्तार किया।

रोता रहा मृतक सूरज का बीमार बाबा

पुलिस की कार्रवाई के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। मृतक सूरज श्रीवास्तव का 80 वर्षीय बाबा देवीदयाल घर के बाहर बैठा रोता रहा। उसे खाना तो दूर दवा देने वाला भी कोई नहीं है। उसका कहना था कि बेटे, बहू समेत परिवार के सभी सदस्यों को पुलिस उठा ले गई। अब उसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। गांव के लोगों ने भी उससे दूरी बना ली है।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि परिवार के लोग भलीभांति जानते थे कि सूरज की मौत कैसे हुई है। इसके बाद पंचायत चुनाव लड़ने के दावेदारों ने मृतक के परिजनों को उकसा कर हत्या का आरोप प्रधानपति पर लगवाया। इसके लिए अस्पताल से फर्जी काल की गई। उसकी जेब में पर्ची होने की बात बताई गई। कार्रवाई न होने की बात कहते हुए पुलिसकर्मियों पर हमला कराया गया। घटना में शामिल सभी आरोपियों पर कार्रवाई होगी।

गिरफ्तार महिलाओं के साथ पांच मासूम बच्चे भी गए जेल

मानिकपुर पुलिस ने नौ महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इन महिलाओं के साथ पांच मासूम बच्चे भी कार्रवाई की जद में आए हैं। महिला आरोपियों के साथ मासूम बच्चों को भी जेल में दाखिल किया गया। रंजना, सुनीता, गुड्डी, पुष्पा, शिवानी, पूनम, काजल, सोनम, सोमवती 9 महिलाएं और 14 पुरुष, महिलाओं के साथ 5 अबोध बच्चे भी हैं।

पुलिस के अनुसार मृतक सूरज श्रीवास्तव का सुसाइड नोट उसकी मां सुनीता के मोबाइल के कवर में मिला। जिसमे उसने मां व पिता को संबोधित करते हुए लिखा है कि वह जीवन में सफल नहीं हो सका। इसलिए मौत को गले लगा रहा है। वह अपनी मौत के लिए खुद जिम्मेदार है। सीओ कुंडा अमरनाथ गुप्ता ने बताया कि मृतक की जेब में जो पर्ची मिलने की बात बताई जा रही थी, वह फर्जी है। सुसाइड नोट को विवेचना में शामिल किया जाएगा।

महाकुंभ की जनवरी से ज्यादा माघ में हुआ जीएसटी कलेक्शन, संगमनगरी ने आर्थिक मोर्चे पर सबको चौंकाया

प्रयागराज। महाकुंभ की जनवरी से ज्यादा माघ में जीएसटी कलेक्शन हुआ है। जोन में जनवरी–2025 के मुकाबले जनवरी–2026 में तकरीबन नौ फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई। प्रदेश के शीर्ष पांच जोन में प्रयागराज का दबदबा दिखा है।

संगमनगरी ने इस बार आर्थिक मोर्चे पर सबको चौंका दिया है। राज्य वाणिज्य कर के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष महाकुंभ की जनवरी की तुलना में इस वर्ष माघ मेले की जनवरी में प्रयागराज जोन में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन दर्ज किया गया है।

यह उछाल जोन की बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों की ओर इशारा कर रही है। खास बात यह है कि देश में जहां जीएसटी कलेक्शन की बढ़त 6.2 फीसदी रही, वहीं प्रयागराज में यह ग्रोथ 8.83 फीसदी दर्ज की गई।

प्रयागराज में पिछले वर्ष महाकुंभ का आयोजन था। तब जनवरी–2025 में यहां 262.72 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। वहीं, जनवरी–2026 में माघ मेला लगा, जिस दौरान यहां जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 285.91 करोड़ रुपये पहुंच गया।

जानकारों का मानना है कि माघ मेले के दौरान स्थानीय व्यापार एवं अन्य क्षेत्र में हुए सोने–चांदी की खरीद फरोख्त की बिलिंग काफी हुई। इससे विभाग को राजस्व मिला। इस वजह से भी यहां जीएसटी की ग्रोथ अच्छी रही।

भारी लेनदेन ने राजस्व बढ़ाने में मदद की। डिजिटल पेमेंट और बिलिंग के प्रति बढ़ती जागरूकता ने भी इस रिकॉर्ड कलेक्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वरिष्ठ कर एवं वित्त सलाहकार डॉ. पवन जायसवाल का कहना है कि माघ मेले के साथ ही हाल के दिनों में गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) पहले पायदान पर रहा, लेकिन धार्मिक आयोजनों के बीच प्रयागराज का जीएसटी कलेक्शन ग्रोथ के हिसाब से चौथे स्थान पर

प्रदेश के शीर्ष पांच जोन में प्रयागराज का भी दबदबा

प्रयागराज जोन ने इस बार प्रदेश के अग्रणी जोन में अपनी जगह बनाई है। जीएसटी कलेक्शन के ग्रोथ रेट के मामले में प्रयागराज उत्तर प्रदेश के शीर्ष पांच जोन में शामिल रहा। हालांकि, पूरे प्रदेश में 13.13 फीसदी की ग्रोथ के साथ आना व्यापार जगत के लिए सुखद संकेत है। दूसरे स्थान पर बरेली जोन की ग्रोथ 12.17 फीसदी रही। तीसरा स्थान इटावा जोन का रहा। यहां की ग्रोथ 9.98 फीसदी रही। वहीं, 7.89 फीसदी ग्रोथ के साथ सहारनपुर जोन पांचवें स्थान पर रहा। ओवरऑल यूपी की कुल ग्रोथ 1.11 फीसदी रही।

पुलिस जांच में दोषमुक्त होने के बाद भी गवाहों के बयान पर आरोपी को जारी हो सकता है समन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस जांच में दोषमुक्त होने के बाद भी गवाहों के बयानों पर आरोपी को समन जारी किया जा सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस जांच में दोषमुक्त होने के बाद भी गवाहों के बयानों पर आरोपी को समन जारी किया जा सकता है। दंड प्रक्रिया संहिता (आईपीसी) की धारा–319 के तहत मुकदमे में साक्ष्य का अर्थ केस डायरी या चार्जशीट की सामग्री से नहीं, बयानों से है। ट्रायल कोर्ट के पास इसे जारी करने की असाधारण शक्ति है। इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अब्दुल शहीद की एकल पीठ ने जय नाथ प्रजापति की आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी खारिज कर दी।

जौनपुर के बदलापुर थाना क्षेत्र में 29 मई 2021 को फौजदार प्रजापति की हत्या कर दी गई थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि घर लौटते वक्त संगीता फॉर्म हाउस के पास आरोपियों ने उन पर रंजिश में गोली चला दी थी। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने याची जय नाथ प्रजापति के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल नहीं किया था और उसे दोषमुक्त कर दिया था। हालांकि, मुकदमे के दौरान गवाहों के बयानों के आधार पर

ट्रायल कोर्ट ने उसे धारा–319 के तहत अतिरिक्त आरोपी के रूप में तलब किया। इस आदेश के खिलाफ याची ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि एफआईआर 15 घंटे की देरी से दर्ज की गई थी और गवाहों के बयानों में भी विरोधाभास है। जांच में कोई पर्याप्त सबूत नहीं मिलने पर ही याची को दोषमुक्त किया गया था। वहीं, प्रतिवादी के अधिवक्ता ने दलील दी कि मृतका की पत्नी और अन्य चश्मदीद गवाहों ने ट्रायल के दौरान सीधे तौर पर जय नाथ प्रजापति की संलिप्तता और गोलीबारी में शामिल होने की बात कही।

कोर्ट ने कहा कि पति की हत्या के बाद पत्नी की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं थी। इसलिए 15 घंटे की देरी उचित और स्वाभाविक है। ऐसे में कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले हरदीप सिंह बनाम पंजाब राज्य का हवाला देते हुए कहा कि धारा–319 के तहत साक्ष्य का अर्थ मुकदमे के दौरान दर्ज किए गए बयानों से है, न कि केस डायरी या चार्जशीट की सामग्री से। गवाहों की ओर से जय नाथ का नाम विशेष रूप से लिए जाने के बाद उसे समन करने का ट्रायल कोर्ट का फैसला पूरी तरह कानूनी है।

पारिवारिक कलह में देवर ने की थी भाभी की हत्या

प्रयागराज। बलकरनपुर गांव में सीमा सरोज की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में मृतका के सगे देवर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने भाभी के कथित निजी संबंधों के चलते परिवार की बदनामी का हवाला देते हुए हत्या की बात कबूल की है। वहीं जांच में यह भी सामने आया है कि मृतका के पति के भी दूसरी महिला से अवैध संबंध थे, जिससे पारिवारिक कलह लंबे समय से चल रही थी। पुलिस इस एंगल की भी गहराई से जांच कर रही है। एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने बताया कि पूछताछ में आरोपी देवर प्रदीप कुमार ने स्वीकार किया कि सीमा को कई बार समझाने के बावजूद विवाद बढ़ता जा रहा था। इसी रंजिश में उसने अपने साथी पप्पू मुसहर के साथ मिलकर सीमा का गला दबाकर हत्या की।

बिल्ली को बचाने में बाइक सवार घायल

प्रयागराज। सुरियावां के सुरमा गांव निवासी शशिभान (22) सोमवार सुबह करीब 10 बजे अपनी बाइक से प्रयागराज जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फूलपुर–वारी मार्ग पर सरायममरेज थाना क्षेत्र स्थित बेलावरी तालाब के सामने झाड़ी से अचानक एक बिल्ली निकलकर सड़क पार करने लगी। बिल्ली को बचाने के प्रयास में युवक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। घटना में शशिभान के हाथ और पैर में चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें प्राथमिक उपचार दिलाया गया।

चकमार्ग पर अवैध नाली बनाए जाने से परेशानी

प्रयागराज। जोरवट के ग्राम पाठकपुर में चक मार्ग नंबर 52 पर अवैध नाली बनाए जाने से किसानों को आवागमन में परेशानी हो रही है। गांव के शास्त्री शुक्ला, नन्हे शुक्ला, सुनील कुमार शुक्ला आदि किसानों ने बताया कि उक्त चक मार्ग पर अवैध तरीके से नाली बनाए जाने से किसानों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कोरांव के तहसीलदार बरनवाल ने बताया कि हल्का लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक को मौके का निरीक्षण कर आख्या मांगी गई है जल्द समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

झगड़े के बाद युवक ने दोस्त पर चलाई गोली, घायल

प्रयागराज। करेली के मस्तान मार्केट के पास रविवार की देर रात दो दोस्तों में हुई कहासुनी के बाद एक युवक ने गोली चला दी। गोली दूसरे युवक के पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए उसे हिरासत में ले लिया है। करेली के जीटीबी नगर निवासी इम्तियाज अहमद ने बताया कि मस्तान मार्केट निवासी अरसू उर्फ आरिस आरिफ उसका पुराना दोस्त था, लेकिन कुछ दिन पहले कहासुनी के बाद से वह रंजिश रखने लगा था। आरोप है कि कि रविवार की देर रात करीब नौ बजे इम्तियाज मस्तान मार्केट की तरफ गया था। इसी समय रास्ते में मिले अरसू से विवाद हो गया। इसी दौरान अरसू ने गालीगलौज और धमकी देते हुए तमंचे से गोली चला दी। गोली इम्तियाज के पैर में लगी। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल इम्तियाज को अस्पताल पहुंचाया। तहरीर पर करेली पुलिस ने अरसू उर्फ आरिस आरिफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

माघ मेला में पहली बार शुरू हुई गोल्फ कार्ट और बाइक टैक्सी सेवा

प्रयागराज। माघ मेला में प्रशासन ने श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए परिवहन के कई नवाचार शुरू किए हैं। मेला क्षेत्र में पहली बार गोल्फ कार्ट और बाइक टैक्सी सेवा शुरू की गई है। श्रद्धालु भी इसका भरपूर लुत्फ उठा रहे हैं। इससे परिवहन के कई कीर्तिमान बन रहे हैं। मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि मेला प्रशासन का अनुमान था इस बार माघ मेले में लगभग 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन होगा। लेकिन सोमवार तक यह संख्या 21 करोड़ बीस लाख से अधिक हो चुकी है। माघ मेला प्रशासन ने श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए पहली बार बाइक टैक्सी शुरू की। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि मेला क्षेत्र में पहुंचने के लिए दोपहिया वाहन अधिक सुविधाजनक होते हैं। इसे देखते हुए मेला प्रशासन और रैपिडो के साथ एक एमओयू किया गया। रैपिडो ने माघ मेले के लिए कुल 20,000 कैप्टन तैनात किए ताकि, पूरे प्रयागराज को कवर किया जा सके। इसका राइडर बेस बढ़ाने के लिए दो दर्जन से अधिक स्थानों पर बुकिंग के लिए कैनोपी लगाई गई। मंडलायुक्त ने बताया कि 31 जनवरी तक करीब साढ़े तीन लाख आगंतुक माघ मेला के लिए इस सेवा का इस्तेमाल कर चुके हैं।

मेला क्षेत्र के अंदर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए प्रदूषण रहित गोल्फ कार्ट सेवा की शुरुआत भी पहली बार माघ मेले में की गई। इलेक्ट्रिक से चलने वाली 20 गोल्फ कार्ट मेला क्षेत्र में सेवा दे रही हैं। इनमें 11 और 16 सीटर गोल्फ कार्ट शामिल हैं। कमिश्नर प्रयागराज सौम्या अग्रवाल ने बताया कि इस नई पहल से विशेष रूप से वृद्ध श्रद्धालुओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और पर्यावरण–अनुकूल यातायात सुविधा मिल रही है। ग्रीन परिवहन की इस सेवा का बड़ी संख्या में आगंतुकों ने फायदा उठाया है। इस सेवा का 31 जनवरी तक करीब 40 हजार से अधिक आगंतुक उपयोग कर चुके हैं।

सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में 23वां डॉ. जे. पी. श्रीवास्तव स्मृति व्याख्यान संपन्न

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 3 फरवरी 2026 को महाविद्यालय के अकादमिक ऑडिटोरियम में 23वां डॉ. जे. पी. श्रीवास्तव स्मृति व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए किया। कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉक्टर नेहा पांडे ने कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन करते हुए अतिथि प्रवक्ता प्रोफेसर एस के चतुर्वेदी का परिचय दिया। कार्यक्रम के अगले कड़ी में डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह ने डॉक्टर जे पी मेमोरियल लेक्चर व उनके जीवन का संक्षिप्त परिचय कराया। मुख्य वक्ता व सीएमपी महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र प्रो. एस. के. चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी ने "ऑर्किड परागण

की जैविकी" विषय पर अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने ऑर्किड परागण की प्रक्रिया, पारिस्थितिक महत्व एवं नवीन शोधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने व्याख्यान में नागालैंड में पाए जाने वाले विभिन्न ऑर्किड पौधों में परागण की प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एच. के. केहरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। डॉ केहरी ने कार्यक्रम को सारांशित किया व अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. वसीम अहमद, प्राचार्य, राज्य यूनानी मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज मुख्य अतिथि (विशिष्ट अतिथि) के रूप में उपस्थित रहे वह छात्रों से रूबरू हुए। कार्यक्रम श्री राघवेन्द्र नाथ सिंह, अध्यक्ष, प्रबंध समिति, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के संरक्षण में आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने इस शैक्षणिक आयोजन को प्रेरणा एवं समर्थन प्रदान किया वह अपने विचार प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की तथा विषय पर सार्थक चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर आलोक कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर वनस्पति विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सत्यनारायण, डॉ मंजू श्रीवास्तव डॉक्टर मीना राय डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह डॉक्टर यशवंत कुमार डॉक्टर अविनाश प्रताप सिंह डॉक्टर पल्लवी राय डॉ अनीता सिंह डॉक्टर संजय केवट डॉ मनोज सिंह डॉक्टर सुनील कुमार डॉक्टर श्वेता शेखर आदि उपस्थित रहे।

उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव में गंगानाथ झा परिसर के छात्र–छात्राओं का अद्भुत प्रदर्शन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव के भव्य समापन विगत दिवस हुआ। उत्तर क्षेत्रीय रूपक (नाटक) महोत्सव के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केन्द्रीय मन्त्री एवं हमीरपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं हिमाचल की आवाज को संसद में उठाने वाले अनुराग सिंह ठाकुर रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में उत्तर क्षेत्रीय रूपक (नाटक) महोत्सव के समापन समारोह में सम्मिलित होना अत्यन्त गौरव और प्रसन्नता का विषय बताया। अपने उद्बोधन में उन्होंने हमारे पूर्वजों ऋषियों–मुनियों द्वारा अपने ग्रन्थों द्वारा संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति को जीवित रखने का विशेषतरू उल्लेख किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने ऋषियों–मुनियों, विद्वानों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ का परित्याग करके अपनी संस्कृति को का सारगर्भित वर्णन किया। सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि पाण्डुलियों के संरक्षण के लिए भारत सर्वकार प्रतिबद्ध है जिससे कि प्राच्य विद्या का संरक्षण सम्भव हो सका है, जिसके परिणामस्वरूप आज लाखों की

संख्या में पाण्डुलियों का संरक्षण हुआ है। राष्ट्रिय पाण्डुलिपि मिशन की अनेक उपलब्धियां हैं जो प्राचीन नाटकों का संरक्षण करता है। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बलाहार में नाट्य महोत्सव के समापन के अवसर पर भरत मुनि का विशेष उल्लेख करते हुए उन्हें संस्कृत नाट्यमंचन का प्रणेता बताया।

संस्कृत रूपक महोत्सव में संस्कृत रूपकों का मंचन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसर के छात्र–छात्राओं द्वारा अत्यधिक रुचिकर एवं भव्यता के साथ किया गया। छात्र–छात्राओं द्वारा संस्कृत रूपकों का मंचन जीवन में धर्म, सत्य एवं न्याय की शिक्षा जो संस्कृत साहित्य एवं शास्त्रों में विद्यमान है, पर आधारित रहा। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. श्रीनिवास वरखेडी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित यह रूपक महोत्सव अपने आप में अद्वितीय रहा। उक्त महोत्सव में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के छात्र–छात्राओं ने "अर्जुनोर्वशीयम्" नामक रूपक का मंचन किया। गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के दल ने रूपक महोत्सव में अपने अद्वितीय अभिनय से समस्त उपस्थित जन का मन मोह लिया। उत्कृष्ट नाट्यमंचन हेतु गंगानाथ झा परिसर को रूपक महोत्सव में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

परिसर की छात्रा अंजलि पाण्डेय ने रूपक "अर्जुनोर्वशीयम्" में उर्वशी की भूमिका निभाते हुए सर्वश्रेष्ठ नायिका का पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही गंगानाथ झा परिसर को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का भी पुरस्कार प्राप्त हुआ। गंगानाथ झा परिसर दल के संयोजक डॉ. राजकुमार मिश्र रहे। दल को डॉ. सुरेश पाण्डेय का निर्देशन भी प्राप्त हुआ। अमित कुमार रावत ने सहयोगी की भूमिका निभाई। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने रूपक महोत्सव में विजयी परिसरीय दल के सदस्यों का स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। स्वागत समारोह में प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. यशवन्त त्रिवेदी, अंकित मिश्र, राजेशकान्त तिवारी समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

ग्रामीण पत्रकार शासन व समाज के संवाद संचरण का सशक्त माध्यम

भव्यता से ग्रामीण पत्रकार सम्मेलन हुआ संपन्न, बड़ी तादाद में पत्रकारों ने की शिरकत

अलीगढ़। भारतीय प्रेस परिषद से अधिसूचित संगठन ष्अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन एवं ग्रामीण पत्रकार यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण पत्रकार सम्मेलन अलीगढ़ नुमाइश मैदान में मुक्ताकाश मंच पर सुखबीर शर्मा के संयोजन में संपन्न हुआ द्य कार्यक्रम का संचालन राहुल वार्ष्णेय एवं अध्यक्षता अखिल भारतीय समाचार–पत्र एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चंद्र शुक्ला ने की। समारोह में उपस्थित सभी आगंतुक अतिथियों को सम्मान पत्र स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र शाल बैग डायरी पीतल की श्री गणेश प्रतिमा प्रदान कर स्वागत व अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र सिंह,स्वामी श्री पूर्णानंद पुरी जी महाराज, अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष शर्मा,विधायक खैर सुरेंद्र दिलेर की माता जी रजनी दिलेर ,प्रेस क्लब के महासचिव आर पी शर्मा, भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप चंदेल दादा, दैनिक प्रावदा के, मालिक मुद्राक, संपादक सुबोध सुहुद ने दीप प्रज्ज्वलित कियाद्य समारोह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चंद्र शुक्ल ने देश व्यापी की समस्याओं का विस्तार से उल्लेख करते हुए हर सम्भव निराकरण का आश्वासन दिया उन्होंने ने यह भी कहा कि आए दिन पत्रकारों की स्वतंत्रता पर कुठाराघात की घटनाएं हो रही हैं इस पर गंभीर चिंता ब्यक्त करते हुए घोषणा की सदेश के किसी कोने में पत्रकारों पर किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष कुमार शर्मा ने कहा संगठन की शक्ति पारस्परिक एकता से ही सम्भव है अतः सभी को समाज हित

और देश हित में अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सशक्त विरोध कर अपने दायित्व का पालन करें।

उत्तर प्रदेश राज्य अध्यक्ष संजय कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि कोरोना कल में कोरोना काल में सरकार द्वारा रेलवे रियायत सहित अनेको सुविधाओं से पत्रकारों को वंचित कर दिया गया था,जिनकी बहाली अभी तक नहीं की गई। उन्होंने ने समारोह के माध्यम से सरकार से मांग की कि पत्रकारों को प्राप्त सभी पूर्वत सुविधाएं अविलंब बहाल की जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मीडिया प्रभारी दिवाकर खरे ने पत्रकारों की जिमेदारी की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में पत्रकारों की अहम भूमिका है ग्रामीण पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष सुखबीर शर्मा ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में संगठन और पत्रकारों के हितों पर अपने विचार रखे हुऐ सभी साथियों का हर दुःख सुख में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप चंदेल ने भी पत्रकारों के कामों की सराहना की। अपने संबोधन में आर पी शर्मा ने कहा पत्रकार कहने को देश का चौथा स्तभ पर सरकार उन्हें अपने स्तर से कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करती आये दिन पुलिस पत्रकारों को परेशान करती रहती है इसका स्थाई समाधान आवश्यक है इनके अतिरिक्त वरिष्ठ पत्रकार गौरीशंकर शर्मा और अमित अग्रवाल ने भी सम्मेलन को संबोधित किया कार्यक्रम की व्यवस्था में तहसील अध्यक्ष गभाना रामगोपाल उपाध्याय,अतरौली अध्यक्ष केपी राजपूत,इगलास अध्यक्ष बहादुर सिंह, कोल अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा,खैर अध्यक्ष उमेश वर्मन, राकेश गौतम, योगेंद्र सिंह ठेनुआ,प्रेस क्लब खैर के अध्यक्ष कैलाश गोयल, महा सचिव पुनीत गोयल, सत्या पंडित,डाली शर्मा,पंकज शर्मा,अनार सिंह,प्रदीप वार्ष्णेय,पीयूष जादौन,अमित शर्मा, सकुन सिंह,शरद वार्ष्णेय, प्रमोद, राहुल कौशिक,आकाश शर्मा, अनूप यादव,अरुण शर्मा, सुधाकर उपाध्यक्ष के अलावा भारी संख्या में पत्रकार मौजूद रहें द्य कार्यक्रम में ग्रामीण पत्रकार यूनियन के सैकड़ो सदस्यों को उनके उत्कर्ष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

पल पल एक प्रसंग है

(छप्पय)

मीठी–मीठी धूप ताज़गी लेकर आयी।
कलियों की मुस्कान बनी उपवन में छायी।
देख प्रकृति उल्लास मगन हो भौरे आए।
मनमथ का हर रंग सभी के दिल को भाए।
नूतनता के साथ में पल पल एक प्रसंग है।
मौसम का बदलाव ही वासन्तिक नव रंग है।।

प्रकृति प्रेम सौन्दर्य आगमन है खुशियों का।
वासन्तिक उल्लास हरे दुख हर दुखियों का।
धरती का श्रृंगार कर रही है हरियाली।
खुशहाली का रंग फैलता डाली–डाली।
खुशबू रंग उमंग का अद्भुत प्यारा खेल है।
कला और साहित्य का, यह इक अनुपम मेल है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डॉक्टर आकांक्षा दीक्षित के व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय के विकलांग विद्यार्थियों, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित समूह (एस ई डी जी एस) पर बने सेल एवं बी एड विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगजन और अन्य वंचित समूह के लिए सरकारी नीतियां विषय पर प्रख्यात वक्ता जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉक्टर आकांक्षा दीक्षित की व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को, दिव्यांगजनों, अन्य पिछड़े और आरक्षित छात्रों के लिए सरकार (यूपी और केंद्र) द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और नीतियों(पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना,शुल्क प्रतिपूर्ति योजना,शादी अनुदान योजना,कंप्यूटर प्रशिक्षण

योजना,छात्रावास निर्माण योजना,मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ,दिव्यांग पेंशन योजना,कृत्रिम अंग सहायक उपकरण योजना आदि)के बारे में जागरूक किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अतिथि का स्वागत और अभिनंदन किया और भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया अतिथि का स्वागत बीएड विभाग की प्रोफेसर रशीदा खातून ने किया।

कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की डॉक्टर सोनल अग्रवाल ने सुचारू रूप से किया। कार्यक्रम को सफल एवं उपयोगी बनाने में रसायन विज्ञान विभाग की डॉक्टर ममता वर्मा, जंतु विज्ञान विभाग की श्रीमती विमला बिना बिन्द, वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉक्टर स्नेहा चौधरी का विशेष योगदान रहा। अंत में बीएड विभाग की प्रोफेसर सरिता कनौजिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में बी एड विभाग की प्रवक्ता प्रोफेसर निशी गुप्ता एवं डॉ मनीषा बड़ौनियाँ एवं महाविद्यालय की प्रवक्ताओं और छात्राओं की उपस्थित सराहनीय रही।

आरेडिका की उपलब्धियों एवं पुस्तक 'रेल्स थ्रू राज' पर उप्र की महामहिम राज्यपाल से आरेडिका के महाप्रबंधक पी. के. मिश्रा की हुई सार्थक चर्चा

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली (उत्तर प्रदेश) एवं रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला (पंजाब) के महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने दिनांक 03 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से जनभवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात अत्यंत सौहार्दपूर्ण, प्रेरणादायी एवं सार्थक रही।

इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री मिश्रा ने आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) द्वारा अब तक निर्मित 15,000 से अधिक अत्याधुनिक रेल कोचों, आरेडिका में पहली बार निर्मित फोर्ज्ड व्हीलों, तथा आरेडिका में निर्मित पहली वंदे भारत ट्रेन के निर्माण, उसकी तकनीकी विशेषताओं एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आरेडिका द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासोंकृजैसे जल संरक्षण, हरित ऊर्जा पहल, सौर ऊर्जा विकास तथा व्यापक वृक्षारोपण अभियानकृपर भी प्रकाश डाला।

महाप्रबंधक श्री मिश्रा ने बताया कि आरेडिका में भू–जल संरक्षण क्षमता बढ़कर 730 मिलियन लीटर हो चुकी है तथा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सोलर पैनलों की स्थापना से 5.13 मेगावाट की उत्पादन क्षमता प्राप्त की जा चुकी है। इन प्रयासों से भारतीय रेलवे की निर्माण क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हो रही उल्लेखनीय प्रगति परिलक्षित होती है।

इस दौरान श्री मिश्रा ने भारतीय रेलवे के इतिहास पर आधारित अपनी चर्चित पुस्तक 'रेल्स थ्रू राज (त्पसे जीतवनही त्र)' की एक प्रति महामहिम राज्यपाल को भेंट की। उन्होंने पुस्तक के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि यह कृति प्राथमिक ऐतिहासिक स्रोतों पर आधारित है तथा ब्रिटिश काल में भारतीय रेलवे के विकास को वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं तथ्यात्मक विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक सामान्य पाठकों के साथ–साथ इतिहास एवं रेलवे विषयक शोधकर्ताओं के लिए भी अत्यंत उपयोगी है।

इस सुखद भेंट के दौरान माननीय राज्यपाल महोदया ने जनभवन में स्थापित 'आदर्श माध्यमिक विद्यालय' के विद्यार्थियों द्वारा गठित 'जनभवन बैंड' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनभवन में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा इन बच्चों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप ये विद्यार्थी अत्यंत अनुशासित एवं दक्ष बने। उल्लेखनीय है कि जनभवन बैंड ने पिछले तीन वर्षों से लगातार 26 जनवरी की परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सराहना अर्जित की है।

इसके अतिरिक्त, महामहिम राज्यपाल महोदया ने जनभवन द्वारा टीबी उन्मूलन तथा सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए किए जा रहे सराहनीय प्रयासों पर भी चर्चा की एवं इन सामाजिक स्वास्थ्य अभियानों को अत्यंत प्रशंसनीय बताया।

महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने महाप्रबंधक श्री मिश्रा के लेखन कौशल, पुस्तक की शोधपरक गुणवत्ता तथा आरेडिका की उपलब्धियों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने आरेडिका की संपूर्ण टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर महामहिम ने अपनी लिखित पुस्तकें 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' एवं 'वो मुझे हमेशा याद रहेंगे' भी सप्रेम भेंट कीं। मुलाकात का विशेष एवं अत्यंत सुखद क्षण तब आया जब महाप्रबंधक श्री मिश्रा द्वारा महामहिम को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के भ्रमण हेतु आमंत्रित किया गया, जिसे महामहिम ने सहर्ष स्वीकार किया। यह भेंट आरेडिका परिवार के लिए गर्व, प्रेरणा एवं उत्साह का क्षण है।

इस अवसर पर पी के मिश्रा के साथ, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अकमल वदूद, उप मुख्य वित्त सलाहकार अस्थानंद पाठक, सचिव महाप्रबंधक आर एन तिवारी भी मौजूद रहे।

जनपद के वरिष्ठतम फौजदारी अधिवक्ता के निधन पर शोक, कचेहरी प्रांगण में हुई शोक सभा

प्रतापगढ़। रानीगंज के द्वारिकापुर निवासी पूर्व ए डी जी सी/फौजदारी अधिवक्ता श्री विपिन चन्द पाण्डेय जी का उनके विवेक नगर स्थित शहरी आवास पर आज लम्बी बीमारी के बाद दुःखद निधन हो गया वे पच्चासी वर्ष की आयु तक नित्य

नियम से कचेहरी आते रहे। उनकी यादों को साझा करते हुए अधिवक्ता कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी जी ने बताया वे कचेहरी शेड्यूल में डेढ़ बजते ही अपने अधीनस्थ साथियों जूनियर अधिवक्ताओं से कहते कि इट इज प्रॉपर टाइम टू टेक ए बेयर कप ऑफ टी उनकी यह टैग लाइन अब सिर्फ स्मृतियों में रहेगी। धर्मेन्द्र नाथ तिवारी वरिष्ठ रीडर बताते हैं कि पाण्डेय जी ने एक मुकदमे में जिरह करते हुए एक ही सवाल पूछ कर जिरह समाप्त कर दिया तो पीठासीन अधिकारी चकित रह गए। अधिवक्ता राज किशोर त्रिपाठी जी ने कहा कि सिर्फ गवाह का बयान पढ़कर ही हत्या के मुकदमे में जिरह करने का कलेजा सिर्फ पाण्डेय जी में ही था। उनके शिष्यों की एक लम्बी श्रृंखला है जिसमें उनके कई शिष्य न्यायाधीश पद पर आसीन हैं तो कई वकालत के क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। उनके परलोक गमन पर कलेक्ट्रेट परिसर में शोकसभा का आयोजन कर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया शोकसभा में वरिष्ठ अधिवक्तागण राज किशोर त्रिपाठी प्रेम कुमार त्रिपाठी अमित शुक्ल ध्रुव पाल संदीप कार्तिकेय मिश्रा सुमित पाण्डेय चंद्रेश मिश्रा असलम खान राम आसरे शर्मा सूर्य प्रकाश शिवम मिश्र प्रदीप चतुर्वेदी दीपक पाण्डेय सिनोद सिंह गोविन्द मौर्य आनन्द प्रकाश आदि रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टाल और खानपान स्टाल अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

कैटरिंग

Details of Publicity : विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 साल की अवधि के लिए फ्रूट और जूस बार यूनिट : फिरोजाबाद (01 लोकेशन), फफूंद (01 लोकेशन), मानिकपुर (01 लोकेशन), प्रयागराज (01 लोकेशन), कानपुर (01 लोकेशन), कानपुर अनवरगंज (01 लोकेशन)

E-Auction catalogue No. : PRYJ-CATG-25-49

E-Auction Start Date & Time : 11.02.2026 at 11:00 hrs

Details of Publicity : विभिन्न स्टेशनों पर 05 साल की अवधि के लिए मल्टी पर्पस स्टॉल : अलीगढ़ (01 लोकेशन), विंध्याचल (02 लोकेशन), कानपुर अनवरगंज (01 लोकेशन), मानिकपुर (01 लोकेशन), इटावा (01 लोकेशन), फफूंद (02 लोकेशन), मिर्जापुर (01 लोकेशन), फतेहपुर (01 लोकेशन), टूंडला (01 लोकेशन)

E-Auction catalogue No. : PRYJ-MPS-25-18

E-Auction Start Date & Time : 11.02.2026 at 11:00 hrs

Details of Publicity : 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँ : खागा (01 स्थान), भरथना (01 स्थान), जसरा (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), चुनार (01 स्थान), अछल्दा (01 स्थान), पनकीधाम (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान), इरादतगंज (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान)

E-Auction catalogue No. : PRYJ-CATG-25-50

E-Auction Start Date & Time : 12.02.2026 at 11:00 hrs

Details of Publicity : विभिन्न स्टेशनों पर 05 साल की अवधि के लिए कैटरिंग यूनिट : नैनी (02 स्थान), सोनभद्र (01 स्थान), खागा (02 स्थान), चुनार (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), खुर्जा (03 स्थान), फफूंद (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान)

E-Auction catalogue No. : PRYJ-CATG-25-51

E-Auction Start Date & Time : 13.02.2026 at 11:00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1. बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमणित प्राधिकारण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। 2. बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। 3. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 10,000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। 4. इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जाती है। 5. अनिंग मनी डिपॉजिट (ईएमडी) : नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10% सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। 6. रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। 7. रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर/वी पी को पटटे पर देने से सम्बंधित है) 8. सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। 223/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

आत्मनिर्भरता हेतु विकास

राजग सरकार द्वारा रविवार को पेश आम बजट कई मायनों में खास रहा। तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं की पर्याय कांजीवरम साड़ी पहने लगातार नौवीं बार बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने नारी शक्ति का परचम ही लहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा–दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनबिलिटी का बजट है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। आम आदमी की जिज्ञासा यही होती है कि क्या सस्ता होगा और किस पर उसकी जेब ढीली होगी। कहा जा रहा है कि माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु–केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया। वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई–स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'ऑरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति शृंखला में जारी वैश्विक उथल–पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

बजट-2026: रोना हॅसना दोनों मना कार्टून

प्रेम शर्मा

बजट को लेकर वैसे भी आम आदमी की सोच केवल मंहगाई और बेरोजगारी रोकने तक टिकी रहती है। जबकि पक्ष और विपक्ष हमेशा की तरह बजट अपना राग अलापता नजर आया। सरकारी नौकरी पेशा, व्यापारी, मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों ने जहॉ जमकर आम बजट की सराहना करते हुए इसे दूरगामी लाभकारी बताया है। बहरहाल आम जनता जो दो जून के लिए रोजी रोटी के लिए संघर्ष कर रही है उसके लिए बजट ना रोने जैसा है औ न ही हॅसने जैसा है। बजट में

उघोगपति और अन्य संवर्ग हमेशा बजट को लेकर अपने हानि लाभ के हिसाब से चर्चा, प्रतिक्रिया देते रहे है। यही बॉत 2026 के केन्द्रीय आम बजट को लेकर सामने आ रही है। विपक्ष और सरकारी सेवकों के नेतृत्व ने जहॉ आम बजट 2026 को एक सिरे से अलाभकारी, आदूदर्शी बताया है वही सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं, केन्द्रीय नशें पर भारी टैक्स लादकर बड़ा प्रहार किया गया है। लेकिन इसका फायदा एक बार फिर इस व्यापार को चलाने वाले दिग्गजों के खाते में दर्ज होगा। वैसे सरल शब्दों में कहे तो बजट एक ऐसा प्रयास है जो पारंपरिक राह से ज्यादा भटकता नहीं है, बुनियादी बातों पर कायम रहता है और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लक्ष्यों के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखता है। बहरहाल इसे एक निराशाजनक प्रयास कहा जा सकता है। बाजारों से पूछें तो वे इसे और भी बुरा कहेंगे, खासकर शेयरों में आई भारी गिरावट को देखते हुए, जो केंद्रीय बजट पेश होने के बाद पिछले छह वर्षों में देखी गई सबसे बड़ी गिरावट थी। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर केन्द्रीय बजट में सरकार की कोई स्पष्ट मंशा सामने नही आई है। अगर बजट की बारीकियॉ आम जनता को समझान में सत्तारूढ़ पार्टी समझाने में असफल रही तो इसका फायदा आगामी चुनावों में विपक्ष को मिले ऐसी सम्भावनाओं को नकारा नही जा सकता। वैसे तो इस बजट से अलग–अलग सेक्टर से जुड़े देश के नागरिकों की ढेरों उम्मीदें जुड़ी हुई थीं। खासतौर से टैक्स पेयर्स को टैक्स स्लैब में कुछ नए बदलाव और कुछ नई छूट की आशा निराशा में तब्दील कर दी गई। हालांकि कुछ सेक्टर्स में कुछ बड़ी रियायत दिए जाने की घोषणा की गई है। बजट में बड़े और दीर्घकालिक सुधार पर सरकार गति को बनाए रखने के संकेत दिये गए है। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया।विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु–केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई–स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'ऑरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति शृंखला में जारी वैश्विक उथल–पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा–दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनबिलिटी का बजट है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। बजट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं, किसानों, निवेशकों का जिक्र करते हुए दावा किया कि ये बजट भारत के असली संकटों से अनजान है। राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। यही नही इस बजट से मिडिल क्लास को खासी उम्मीदें थीं. आयकर में छूट और महंगाई पर काबू जैसे ऐलान के इंतजार कर रहे थे। सीनियर सिटीजन को भी रेल किराये में छूट समेत की उम्मीदें थीं। लेकिन वित्त मंत्री आम आदमी से जुड़े मुद्दों से किनारा करते हुए सरकार के मिशन 2047 पर तथस्थ दिखाई पड़ी। कुल मिलाकर यह बजट मीडिल क्लास, बेरोजगार और कम आय वर्ग के लिए रोना और हॅसना मना जैसे वाक्य का पर्याय साबित हुआ है।

मदर ऑफ ऑल डील्स' को कैसे प्रभावी बनाए सरकार

विनीत नारायण

भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता, जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' के रूप में जाना जा रहा है, लगभग 2 दशकों की लंबी वार्ताओं का परिणाम है और इसमें 2 अरब से अधिक की आबादी तथा 27 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था शामिल है, जो वैश्विक जी.डी.पी. का लगभग 25 प्रतिशत है। यह समझौता भारत की आध्यक महत्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर प्रदान करता है, विशेषकर ऐसे समय में, जब अमरीकी टैरिफ के कारण निर्यात प्रभावित हो रहा है। हालांकि, इसे प्रभावी बनाने के लिए सरकार को रणनीतिक कदम उठाने होंगे। इस समझौते के तहत यूरोपीय संघ भारत में निर्यात होने वाले 96. 6 प्रतिशत सामानों पर टैरिफ को समाप्त या कम करेगा, जिससे यूरोपीय कंपनियों को सालाना लगभग 4 बिलियन यूरो (लगभग 4.7 बिलियन डॉलर) की बचत होगी। भारत ने यूरोपीय संघ को 102 सेवा उप–क्षेत्रों में पहुंच प्रदान की है, जबकि यूरोपीय संघ ने भारत को 144 उप–क्षेत्रों में अवसर दिए हैं, जिनमें वित्तीय, समुद्री और दूरसंचार सेवाएं शामिल हैं। अनुमान है कि यह समझौता 2032 तक यूरोपीय संघ के भारत में निर्यात को दोगुना कर देगा। साथ ही, यह अमरीकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा, जहां भारत के श्रम–गहन निर्यात प्रभावित हो रहे हैं। माना जा रहा है कि यह समझौता 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' योजनाओं के साथ तालमेल बैठाता है। यह न केवल निर्यात को बढ़ाएगा, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेश और रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहित करेगा। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के साथ समझौता भारतीय एम.एस.एम.ई. को वैश्विक आपूर्ति शृंखला में शामिल होने का अवसर देगा। हालांकि, इसके लाभों को अधिकतम करने के लिए चुनौतियों का सामना करना होगा। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफैसर अरुण कुमार की चेतावनियां प्रासंगिक हैं। प्रोफैसर कुमार, जो काले धन और आर्थिक नीतियों के विशेषज्ञ हैं, ने भारत–यूरोपीय संघ एफ.टी.ए. को 'अमरीका जैसा एक और जाल' बताया है। उन्होंने असमान शर्तों, घरेलू उद्योगों विशेषकर कृषि और डेयरी पर जोखिम, व्यापार घाटे में वृद्धि, नीति स्थान की हानि और दीर्घकालिक आर्थिक निर्भरता की चेतावनी दी है। उन्होंने अमरीकी व्यापार समझौतों से सबक लेने की सलाह दी है, जहां कृषि बाजार खोलने की मांग भारत के लिए कठिन है। इन चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए, सरकार को रचनात्मक कदम उठाने चाहिएं। सबसे पहले, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। समझौते में डेयरी और कुछ कृषि उत्पादों को बाहर रखा गया है, लेकिन कुमार की चेतावनी के अनुसार, बाजार बाढ़ से बचने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित करें। सरकार कृषि क्षेत्र में सबसिडी और समर्थन को मजबूत करे, जैसे कि फसल बीमा और बाजार लिंकेज को बढ़ावा देकर। साथ ही, एग्रीस्टैक जैसी डिजिटल पहलों को तेज करे ताकि किसान वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पादन कर सकें। दूसरा, एम.एस.एम.ई. और छोटे उद्योगों की तैयारी पर फोकस करें। उत्पादन लिंक्ड इंसैंटिव (पी.एल.आई.) स्कीम को विस्तार दें, विशेषकर टैक्सटाइल, फार्मा और इलैक्ट्रॉनिक्स में। एम.एस.एम.ई. को क्रैडिट पहुंच, कौशल विकास और निर्यात प्रशिक्षण प्रदान करें। यूरोपीय संघ के साथ संयुक्त निवेश कोष स्थापित करे जो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर केंद्रित हो, ताकि 'मेक इन इंडिया' मजबूत हो सके। तीसरा, पर्यावरण और सस्टेनेबिलिटी मानकों का अनुपालन। यूरोपीय संघ का कार्बन बॉर्डर एडजस्टमैंट मैकेनिज्म (सी.बी.ए.एम.), जो 1 जनवरी, 2026 से पूर्ण रूप से लागू है, भारतीय स्टील और एल्यूमीनियम पर कार्बन टैक्स लगा सकता है, जिससे निर्यातकों को 22 प्रतिशत तक कीमत कम करनी पड़ सकती है। सरकार को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाकर, जैसे कि 500 जी.डब्ल्यू. सौर लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़कर, इस चुनौती का सामना करना चाहिए। यूरोपीय संघ के साथ संयुक्त हरित प्रौद्योगिकी परियोजनाएं शुरू करे। चौथा, व्यापार घाटे को संतुलित करने के लिए विविधीकरण। सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करे, जैसे कि अफ्रीका और लातीनी अमरीका। साथ ही, समझौते के तहत निवेश नियमों को मजबूत करे ताकि नीति स्थान सुरक्षित रहे। राष्ट्रीय निवेश बोर्ड को सक्रिय करे जो विदेशी निवेश की समीक्षा करे और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे। पांचवां, मानव संसाधन और प्रवासन पर फोकस। समझौता प्रवासन और मोबिलिटी फ्रेमवर्क से जुड़ा है, जो 'टैलेंट एंड सिक्योरिटी' पर केंद्रित है। सरकार को कौशल विकास कार्यक्रमों को यूरोपीय मानकों के अनुरूप बनाना चाहिए, जैसे कि आई.टी. और इंजीनियरिंग में। इससे युवा रोजगार बढ़ेगा और ब्रेन ड्रेन को रोका जा सकेगा। अनुमान है कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को 41–65 प्रतिशत बढ़ाएगा और जी.डी.पी. में 0.12–0.13 प्रतिशत की वृद्धि करेगा। यह चीन से व्यापार विचलन (5–9 प्रतिशत) को बढ़ावा देगा, जो यूरोपीय संघ की डी–रिस्किंगऔर भारत की विविधीकरण रणनीति से मेल खाता है। 'मदर ऑफ ऑल डील्स' भारत को विकसित राष्ट्र की दिशा में ले जाने का माध्यम बन सकता है। सरकार को उक्त चेतावनियों को गंभीरता से लेना चाहिए।

पहले सत्ता लोगों से डरती थी, अब लोग सत्ता से

देवी एम. चेरियन

एक समय था, ज्यादा पुरानी बात नहीं, जब राजनेता बिना किसी चेतावनी के बाजारों में चले आते थे। जब एक जिला कलैक्टर बस स्टैंड पर खड़ा होता था। जब किसी मंत्री की गाड़ी लाल बत्ती पर बाकी सब की तरह इंतजार करती थी। सत्ता का अस्तित्व था, लेकिन उसे अपनी मौजूदगी का ऐलान करने के लिए सायरन की जरूरत नहीं थी। लोग उस समय को सिर्फ पुरानी यादों के तौर पर नहीं, बल्कि एक चाहत के साथ याद करते हैं। क्योंकि तब सत्ता करीब महसूस होती थी, ज्यादा मानवीय और कम डराने वाली। जब कोविड आया, तो कई लोगों को लगा कि वह पल फिर से लौट आया है। सड़कें खाली थीं। सायरन खामोश हो गए। लाल बत्तियां हटा दी गईं। काफिले गायब हो गए। नेताओं ने सादगी, समानता और सांझा दुख की बात की। वादे किए गए–कि कोई सड़क नहीं रोकी जाएगी, कोई वी. आई.पी. कल्चर नहीं होगा, सुरक्षा का कोई नाटक नहीं होगा। और फिर, धीरे–धीरे और उम्मीद के मुताबिक, वह सब वापस आ गया। आज, वह नजारा फिर से जाना–पहचाना है–पायलट कारें, पुलिस के वाहन, चमकती लाइटें, अचानक सड़कों का बंद होना और मामूली पदाधिकारियों के लिए भी लंबे काफिले। नौकरशाह, जो कभी खुद गाड़ी चलाते थे, अब अंगरक्षकों के साथ चलते हैं। सादगी की बात करने वाले राजनेता 10 गाडियों के साथ आते हैं। कोविड ने वी. आई.पी. कल्चर का इलाज नहीं किया, बस उसे कुछ देर के लिए रोक दिया था। असहज करने वाला सवाल यह है–क्या वह पुराना, सरल समय कभी लौटेगा? ईमानदार जवाब यह है कि सत्ता, जिसका स्वाद एक बार चख लिया जाए, वह खुद से कभी विनम्र नहीं होती। सुरक्षा सिर्फ इसलिए नहीं बढ़ी क्योंकि खतरे बढ़ गए। यह इसलिए बढ़ी क्योंकि 'हक जताने' की भावना बढ़ गई। सत्ता की हर परत यह मानने लगी कि वह सुरक्षा, प्राथमिकता और रास्ता साफ पाने की हकदार है। जब एक व्यक्ति के लिए सड़कें रोकी जाती हैं, तो हजारों लोगों को पदानुक्रम में उनकी जगह याद दिलाई जाती है। जब काफिले को निकालने के लिए एम्बुलैंस फंस जाती है, तो जनता का गुस्सा चुपचाप पनपता है। जब राजनेता बिना सुरक्षा परतों के लोगों के बीच नहीं चल सकते, तो विश्वास कम हो जाता है। सिस्टम नागरिकों से कहता है कि वह समानता में विश्वास रखता है लेकिन उसके कार्य कुछ और ही कहते हैं। क्या यह कभी बदलेगा? यह बदल सकता है लेकिन केवल दबाव में, सद्भावना से नहीं। बदलाव इसलिए नहीं आएगा कि नेता अचानक विनम्र हो जाएंगे। यह केवल तभी आएगा जब मतदाता लगातार फिजूलखर्ची को दंडित करेंगे, जब अदालतें सुरक्षा श्रेणियों को सख्ती से सीमित करेंगी, जब मीडिया काफिलों का महिमामंडन करना बंद कर देगा, और जब नागरिक वी. आई.पी. आवाजाही के कारण होने वाली असुविधा को सामान्य मानना बंद कर देंगे। कुछ राज्यों ने सुरक्षा सूचियों में कटौती करने की कोशिश की है। कुछ नेताओं ने जानबूझकर अपने तामझाम को कम किया है। लेकिन ये अपवाद हैं, नियम नहीं। वी.आई.पी. कल्चर इसलिए जीवित है क्योंकि समाज इसे सहन करता है। हम निजी तौर पर शिकायत करते हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पालन करते हैं। हम अपने जीवन को ढाल लेते हैं और सिस्टम इस खामोशी को सहमति मान लेता है। अकेले चलते हुए राजनेता की पुरानी छवि इसलिए काम करती थी क्योंकि तब सत्ता लोगों से डरती थी। आज, लोग सत्ता से डरते हैं। यही असली बदलाव है। क्या इसे बदला जा सकता है?

वास्तविक चिंताओं से कटा बजट

मोदी सरकार ने एक बार एक ऐसा बजट पेश किया है, जिसमें आम जनता के लिए कुछ नहीं है, जबकि धनपतियों के लिए पूरा मौका है कि वे अपनी तिजोरी का धन दोगुना–चौगुना कर लें। अमेरिका की तरफ से पड़ी टैरिफ की मार और बदलते भू राजनैतिक समीकरणों के बीच मोदी सरकार के पास बजट के रूप में एक अच्छा मौका था, जब वह आम आदमी की चिंता को सीधे संबोधित करती और उसकी रोजमर्रा की समस्याओं का हल पेश करती। लेकिन जैसे नरेन्द्र मोदी आज की बात न कर या तो हजार साल पहले की बात करते हैं या आने वाले सौ साल में देश कहां हो सकता है, इसके सपने दिखाते हैं। तो बजट में भी ऐसे ही दूर के सपने दिखाए गए हैं। 10,000 करोड़ रुपए के बायोफार्मा शक्ति प्रोग्राम से लेकर इंडिया सेमी कंडक्टर मिशन 2.0 के तहत सेमी कंडक्टर की महत्वाकांक्षाओं का विस्तार, 40,000 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स स्कीम, और कई सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग इंसेंटिव जैसी बातें निर्मला सीतारमण के भाषण में छाई रहीं। लेकिन ग्रामीण भारत के मजदूर–किसान, बेरोजगार युवा, छोटे और मध्यम कारोबारी, गृहणियां जिन रोजमर्रा के संकटों से दो–चार होती हैं, उस पर बजट लगभग खामोश रहा। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी कानून लाकर उसके प्रचार के लिए विज्ञापन पर भारी खर्च कर रही है। लेकिन बजट भाषण में इस बारे में चुप्पी बता रही है कि ग्रामीण भारत से मोदी सरकार का कोई लेना–देना नहीं है। खेती–बाड़ी पर विविधकरण और नारियल, कोको, चंदन और मेवे जैसी श्उच्च मूल्य वाली फसलोंश पर बजट भाषण में बात हुई। इससे संपन्न व्यावसायिक किसानों को तो फायदा हो सकता है, लेकिन उन अनाज किसानों के लिए सीधे तौर पर किसी मदद की बात नहीं की गई जो भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य, खेती में बढ़ती लागत या फसलों की कीमतों में उतार–चढ़ाव जैसे मुद्दों का भाषण में कोई जिक्र नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सही कहा है कि यह बजट देश की समस्याओं से आंख मूंदने वाला है। राहुल गांधी ने लिखा कि देश में युवा बेरोजगार हैं, उत्पादन गिर रहा है, निवेशक पूंजी बाहर निकाल रहे हैं, घरेलू बचत तेजी से घट रही है और किसान संकट में हैं। वैश्विक स्तर पर आने वाले झटकों का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन बजट इन सभी मुद्दों को नजरअंदाज करता है और आंखें मूंदने वाला है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा बजट है जो सुधार से इनकार करता है और भारत के असली संकटों के प्रति अंधा बना हुआ है। हकीकत यही है कि इस बजट में देश में अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ चुकी आर्थिक असमानता पर कोई चिंता नहीं व्यक्त की गई है और न ही एससी, एसटी, ओबीसी, कमजोर आर्थिक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता दी गई है। मोदी सरकार हर साल नए तरह के सपने बजट में दिखाती है और पिछले सपनों को भूल जाती है। जैसे अब मेक इन इंडिया पर कोई बात नहीं होती। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में कितना घोटाला हुआ, यह हाल ही में आई रिपोर्ट्स से पता चलता है। महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली सरकार के बजट में न महिलाओं के लिए कोई बड़ी पहल है, न इस बात की चिंता कि रोजगार में महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़ाई जाए। बजट में रुपए की गिरती कीमत, महंगाई, या टैरिफ के कारण हो रहे व्यापार घाटे की भी कोई चिंता नहीं है। मोदी सरकार का मकसद हर तरह से चुनावी राज्यों को साधना होता है, पिछले साल बिहार पर सारा फोकस था, इस बार तमिलनाडु, केरल आदि पर फोकस है। प्रसंगवश बता दें कि निर्मला सीतारमण ने, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी पहनकर ही बजट पढ़ा, पिछली बार उन्होंने मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी पहनी थी। इस बार के बजट में निर्मला सीतारमण ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा है। सरकारी भाषा में यह आत्मनिर्भर भारत और चीन पर निर्भरता कम करने का बड़ा कदम बताया जा रहा है। बता दें कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स 17 खास तरह के खनिज हैं जो आज की हाई–टेक दुनिया में बेहद जरूरी हैं। इनसे बने रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स यानी आरईपीएम इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होते हैं। इन मैग्नेट्स का ज्यादातर उत्पादन और प्रोसेसिंग चीन के हाथ में है। जबकि भारत इन्हें ज्यादातर आयात करता है। ऐसे में रेयर अर्थ कॉरिडोर सुनने में तो अच्छा प्रस्ताव दिखता है, लेकिन इसके साथ जो पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हैं, क्या सरकार उन पर ध्यान देगी। बता दें कि भारत में रेयर अर्थ का मुख्य स्रोत बीच सैंड मिनरल्स यानी बीएसएम है। इसमें मोनाजाइट नाम का खनिज होता है, जिसमें रेयर अर्थ के साथ यूरेनियम और थोरियम भी होते हैं। देश में ये खनिज केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर बहुत ज्यादा मात्रा में मिलते हैं। शायद इसीलिए इन्हीं राज्यों को चुना गया है। लेकिन बीच सैंड मिनरल्स खनन से समुद्र तटों का कटाव होता है, समुद्री जीवन बर्बाद होता है, रेडियोएक्टिव थोरियम और यूरेनियम निकलते हैं जो कैंसर जैसी बीमारियां फैला सकते हैं। केरल और तमिलनाडु में पहले से ही इलाकों में लोगों ने इसका विरोध किया है। ओडिशा में भी पर्यावरणविद् चेतावनी देते रहे हैं। सरकार कहती है कि सख्त नियम होंगे, लेकिन देश में खनन माफिया का जो आतंक है, क्या वो पहले से ज्यादा बढ़ नहीं जाएगा। रेयर अर्थ कॉरिडोर में बड़े–बड़े प्लांट लगेंगे, जिससे मछुआरों, किसानों और स्थानीय समुदायों की जमीन और आजीविका छिन सकती है। पिछले कई सालों में भारत में खनन प्रोजेक्ट्स से विस्थापन और पुनर्वास की समस्या रही है। क्या सरकार स्थानीय लोगों को रोजगार और फायदा सुनिश्चित करेगी, या सिर्फ बड़ी कंपनियां मुनाफा कमाएंगी, ये भी गंभीर सवाल है। केंद्रीय बजट 2026–27 में जिस तरह ग्रामीण रोजगार की अनदेखी की गई है, उससे भी चिंता बढ़ती है। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जी राम जी कानून तो ले आई है, जिसमें केंद्र सरकार ज्यादातर राज्यों में इस योजना का लगभग 60 प्रतिशत खर्च उठाएगी, और बाकी खर्च राज्य सरकारें देंगी। लेकिन बजट में इस मद में 65.9 प्रतिशत की कटौती गई है,

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

करुणा ममता प्रेम ये, मानव के परिधान।
होते दुश्मन तीन ये, राग द्वेष अभिमान।।
राग द्वेष अभिमान,कभी मत धारण करना।
यहाँ बुरा व्यवहार, मनुजता का ज्यों मरना।।
कहती रचना आज, दिखे जीवन में अरुणा।
हो अंतर में प्रेम, बसे रग - रग में करुणा।।

जिसके भी व्यवहार में, राग द्वेष अभिमान।
उसके भीतर प्रभु नही, होता है हैवान।।
होता है हैवान, बने वो पशु के जैसा।
करता रहता क्रोध, धरे यह गुण नर कैसा।
कहती रचना आज, महकता चंदन घिसके
करे दंभ का त्याग, हृदय में रहता जिसके।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

मेरी डे वन से एआई.. बहन शमिता के बर्थडे पर शिल्पा शेट्टी ने उड़ेला प्यार, कहा-तुम्हें चांद तक और उससे भी ज्यादा चाहती हूं

शिल्पा का यह मैसेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शमिता शेट्टी, शिल्पा की छोटी बहन हैं। उन्होंने साल २००० में रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'मोहब्बतें' से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'बेवफा', 'जहर' और 'कैश' जैसी फिल्मों में नजर आईं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अक्सर अपनी छोटी बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी के लिए प्यार जाहिर करती रहती हैं। वहीं, हाल ही में शमिता के बर्थडे पर शिल्पा ने उसके लिए अपना दिल खोलकर रख दिया। छोटी बहन के 47वें बर्थडे पर एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक बेहद प्यारा और भावुक पोस्ट शेयर किया है। शिल्पा ने शमिता को प्यार से "डे वन से मेरी ।1" बताते हुए उनके लिए एक खास बर्थडे मैसेज लिखा, जो फैंस का दिल जीत रहा है। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शमिता की बचपन की तस्वीरें शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ पुरानी फोटोज भी पोस्ट कीं, जिनमें शिल्पा, शमिता और उनकी मां के साथ बिताए गए खूबसूरत पलों की झलक देखने को मिलती है। पोस्ट के कैप्शन में शिल्पा ने लिखा, "थोड़ा सा थ्रोबैक क्योंकि३ आखिर कैसे न करूं, आज तुम्हारा बर्थडे है। हैप्पी बर्थडे मेरी टूंकी, मेरी डे वन से ए1ए तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों, अच्छी सेहत, हंसी और प्यार से भरी रहे। याद रखना, आज, कल और हमेशा३ हर हाल में मैं तुम्हारे साथ हूं। तुम्हें चांद तक और उससे भी ज्यादा प्यार करती हूं।" शिल्पा का यह मैसेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शमिता शेट्टी, शिल्पा की छोटी बहन हैं। उन्होंने साल 2000 में रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'मोहब्बतें' से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'बेवफा', 'जहर' और 'कैश' जैसी फिल्मों में नजर आईं। फिल्मों के अलावा शमिता ने रियलिटी टीवी शोज में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। करियर में ब्रेक और उतार–चढ़ाव के बाद उन्होंने 'झलक दिखला जा', 'फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी' और 'बिग बॉस' जैसे चर्चित रियलिटी शोज में हिस्सा लिया। वहीं शिल्पा शेट्टी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म 'सुखी' में नजर आई थीं। सोनल जोशी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शिल्पा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब शिल्पा जल्द ही फिल्म 'झक्रू द डेविल' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन प्रेम कर रहे हैं।

रश्मिका मंदाना ने फैंस को किया निराश, विजय देवरकोंडा संग शादी की खबरों को किया खारिज

साउथ स्टार्स विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना इन दिनों काफी चर्चा में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की खूब खबरें उड़ रही हैं। बीते दिन एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दावा किया जा रहा था कि विजय और रश्मिका 2 फरवरी को शादी के बंधन में जाएंगे। उदयपुर में दोनों की शादी की तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। वहीं, अब इन खबरों से परेशान होकर रश्मिका मंदाना ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक उनके रिपोर्टर ने रश्मिका से उनके शादी के बारे में पूछा तो एक्ट्रेस ने मना कर दिया और साफ इनकार कर दिया है कि 2 फरवरी को उनकी और विजय की शादी नहीं हो रही है। ऐसे में रश्मिका और विजय की शादी खबरों पर अब विराम लग गया है। गौरतलब है कि दोनों सितारों ने अब तक अपनी सगाई को भी सार्वजनिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री में यह चर्चा पहले से रही है कि 3 अक्टूबर 2025 को हैदराबाद में दोनों ने बेहद निजी समारोह में सगाई की थी, जिसे पूरी तरह सीक्रेट रखा गया। इससे पहले यह भी खबरें आई थीं कि उनकी शादी 26 फरवरी 2026 को उदयपुर के किसी शाही महल में हो सकती है।

पत्नी शेफाली के निधन के बाद पराग त्यागी ने काम पर की वापसी, प्रोमो वीडियो देख फैंस बोले-ऐसे ही एक्टिंग करते रहो..

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन को करीब आठ महीने बीत चुके हैं। जून 2025 में उनके अचानक चले जाने से परिवार, दोस्त और फैंस गहरे सदमे में थे। इस कठिन दौर में उनके पति पराग त्यागी पूरी तरह टूट गए थे। हालांकि, धीरे–धीरे उन्होंने खुद को संभाला और काम पर लौटे। पत्नी के निधन के बाद पराग ने पहली बार अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का प्रोमो वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसे देख उनके फैंस मायूस हो गए हैं और पराग की हिम्मत को सलाम कर रहे हैं। पराग त्यागी ने अपने इंस्टाग्राम पर शो का वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने अपने नए शो का नाम 'चंदनबाला' बताया है। हालांकि, शो की रिलीज डेट या टेलीकास्ट से जुड़ी कोई जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। प्रोमो में पराग एक दमदार और गंभीर किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं। पराग के इस पोस्ट पर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। एक्ट्रेस आरती सिंह ने कमेंट करते हुए लिखा, "ऑल द बेस्ट भइया।" वहीं, जसवीर कौर ने उनके काम की तारीफ करते हुए कहा, "शानदार।"फैंस ने भी पराग के हौसले की सराहना की। किसी ने लिखा, "फुल सपोर्ट सर," तो किसी ने कहा, आप ऐसे ही एक्टिंग करते रहो, शेफाली की आत्मा को शांति मिलेगी। कई यूजर्स ने शो की रिलीज डेट पूछते हुए उत्सुकता भी जताई। पराग त्यागी ने टीवी की दुनिया में 'पवित्र रिश्ता' से पहचान बनाई थी। इसके बाद वह 'जोधा अकबर', 'ब्रह्मराक्षस' और 'शक्ति दृ अस्तित्व के एहसास की' जैसे लोकप्रिय शोज में नजर आए। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'ए वेडनेसडे' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बाद में वह 'सरकार 3' और तेलुगू फिल्म 'अग्न्याथवासी' में भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

मेरी बेटी भी कहती है कि पापा आप हमेशा ग्रे ही पहनते हैं- शाहिद कपूर

विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर की जोड़ी से दर्शकों को हमेशा कुछ हटकर सिनेमा की उम्मीद रहती है। उनकी आने वाली फिल्म 'ओ रोमियो' ने टीजर और ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी लीड रोल निभा रहे हैं, जबकि नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी और दिशा पाटनी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। इसी के चलते शाहिद कपूर ने संवाददाता संदेश औलख शर्मा से खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश.

1 – ओ रोमियो की स्क्रिप्ट सुनते वक्त मन में कोई सवाल आया हां बोल दी ?

हां , मन में एक डर था कि कही फिल्म पर इतने एक्सपेरिमेंट ना हो जाए कि फिल्म समझ ही ना आए लोगों को। मैं ये चाहता था की फिल्म हर इंसान तक पहुंचे सिर्फ क्रिटिक्स तक ही सीमित ना रह जाए। हालांकि जब कहानी पूरी सुनी तो पता लगा कि इसमें रोमांस , एक्शन थ्रिल सबकुछ है। ऐसा कुछ भी नहीं है कि लोग इससे जुड़ ना पाएं। उल्टा ये कहानी तो लोगों को अट्रेक्ट करने वाली है। खास बात ये भी है कि इसमें विशाल भारद्वाज वाला टच भी है।

2 – तकरीबन एक साल में आप एक ही फिल्म करते है , क्या इसके पीछे कोई स्ट्रैटेजी है ?

इस साल तो दो फिल्में आ रही हैं लेकिन पहले ही बात करें तो स्ट्रैटेजी पर तो मैं काम ही नहीं करता , ये मेरा स्टाइल ही नहीं है। बाकी मुझे लगता है कि कुछ फिल्में समय मांगती हैं और कई बार हो सकता है कि मुझे ये सलेक्ट करने में टाइम लग जाता है कि मुझे कौनसा प्रोजेक्ट करना है।

3 – क्या वजह है कि आजकल आप ग्रे शेड्स की तरफ बढ़ते जा रहें हैं ? खासतौर पर विशाल की फिल्मों में ?

मेरी बेटी भी कहती है कि श्पापा आप हमेशा ग्रे ही पहनते हैंश , मैं ग्रे किरदार तब से कर रहा हूँ जब ये फैशन में ही नहीं थे , जो किरदार मुझे अच्छा लगता है वो करता हूँ और जितना कोई किरदार अच्छा लगता है उतना ही उसे निभाना ,मुश्किल होता है। और जब तक मैं कुछ मुश्किल नहीं करूँगा तब तक आप मेरा बेस्ट कैसे देख पाएंगे।

4 – किसी किरदार का प्रभाव आपके ऊपर रहता है या नहीं ?

रहता है लेकिन आपको उसे डिस्कनेक्ट करना ही पड़ता है, जरूरी होता है। मैं बहुत बार देखता हूँ कि लोग बोलते हैं कि श्मैं थेरेपिस्ट के पास गया थाश तो ये सुनकर मुझे बहुत हंसी आती है। ऐसा नहीं होता प्रोफेशनल्स हैं हम। लोग इससे भी ज्यादा मुश्किल काम करते हैं और वो कभी नहीं कहते है कि उन्हें थेरेपिस्ट के पास जाना पड़ रहा है। वैसे भी मुझे ऐसा लगता है कि आपको कभी भी घर पर कोई बैगेज लेकर नहीं जाना चाहिए।

5 – रिलीज के पास फिल्म की सक्सेस या फेलियर आपको इफेक्ट करती है ? और अगर फिल्म ना चले तो .

बिलकुल करती है। और अगर फिल्म ना चले तो एक स्टेप पीछे फिर दो स्टेप आगे बढ़ जाता हूँ। क्यूंकि जो आप फील करते हैं उसे आपको फील करने देना चाहिए। मायूसी को कभी इग्नोर नहीं करना चाहिए। उसको फ्यूल की तरह इस्तेमाल करो , फीलिंग्स फ्यूल ही होती हैं अगर आप उसे चौनेलाइज करके आगे बढ़ते है तो अच्छा ही होता है। सीखना भी बहुत जरूरी होता है और थोड़ा हुमिलिटी होना भी चाहिए जिंदगी में क्यूंकि अगर सबकुछ आराम से चलने लगा तो आदमी खुद को भगवान समझने लगेगा।

6 – ओ रोमियो में आपके शरीर पर बहुत सारे टैटू बने हैं , उसके बारे में बताइये ...

इस फिल्म में मेरे फुल बॉडी टैटू थे , हर दिन इसे बनाने में 2 घंटे लगते थे , मैं शूटिंग के दौरान तृप्ति से भी ज्यादा टाइम लेता था रेडी होने में क्यूंकि वो तो आधे घंटे में रेडी होकर आ जाती थी। बाकी ये किरदार ही इतना स्ट्रांग है कि इसके ऊपर बहुत कुछ करना पड़ा।

7 – तृप्ति डिमरी के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा ?

बहुत अच्छा था। बहुत ही शानदार किरदार भी है उनका इस फिल्म में। दरअसल उन्ही के किरदार से फिल्म का प्लाट सेट होता है। इससे ज्यादा मैं कुछ बता भी नहीं सकता। और वैसे भी जब किसी फिल्म में मेल और फीमेल दोनों ही किरदार स्ट्रांग हों तो वो एक बहुत ही पॉजिटिव साइन होता है किसी भी लव स्टोरी के लिए। और जब कास्टिंग डिसकस भी हो रही थी तब भी पहला नाम तृप्ति का ही था क्यूंकि वो इस फिल्म के लिए एकदम परफेक्ट है। और उन्होंने काम भी बहुत अच्छा किया है।

8 – क्या कोई भी फिल्म साइन करने से पहले आप अपनी वाइफ मीरा से डिस्कस करते हैं ?

हर फिल्म। हर फिल्म साइन करने से पहले हम बात करते है और हर बात आपस में डिस्कस करते हैं।

घर के इस दिशा में भूलकर भी ना बनाएं किचन का सिंक, वरना हो जाएंगे कंगाल

वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार घर में रसोईघर यानी किचन की अहम भूमिका होती है। किचन के लिए घर की दक्षिण–पूर्व दिशा को सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। इसी दिशा में अग्नि अर्थात ऊर्जा का वास

होता है। इस दिशा का स्वामी ग्रह शुक्र होता है। स्त्रियों का भी ज्यादातर समय किचन में गुजरता है। घर के किचन में वास्तु दोष होने से स्त्रियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार भूलकर भी घर की दक्षिण–पश्चिम दिशा में किचन नहीं बनाना चाहिए। इससे घर में अनावश्यक खर्चों को बढ़ा सकता है।

वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार घर के सदस्यों में रोग, दुर्घटना, संतान के प्रति चिंता जैसी परेशानियां इस दिशा में किचन होने के कारण हो सकती हैं।

आइए जानते हैं किचन से जुड़े वास्तु टिप्स...

1.किचन में गैस का चूल्हा रखने के लिए पत्थर का स्लैब पूर्व तथा उत्तर दिशा की ओर बनाना चाहिए। जिससे खाना बनाने के समय गृहिणी का मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर हो।

2.बर्तन धोने के लिए सिंक का ईसान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा में व्यवस्थित होना सबसे शुभ माना जाता है।

3.रसोई घर में प्रकाश की व्यवस्था जैसे खिड़की या बल्ब पूर्व और उत्तर दिशा में अवश्य लगाना चाहिए।

4.किचन में फ्रिज हमेशा उत्तर पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

5.इंडक्शन– माइक्रोवेव आदि हमेशा दक्षिण पूर्व के कोने में रखा जाना चाहिए।

6.रसोईघर में प्रयोग होने वाले खाद्य पदार्थ आटा, चावल, दाल आदि पश्चिम अथवा दक्षिण दिशा में रखने चाहिए ।

7.कभी भी रसोई के अंदर मंदिर नहीं बनाना चाहिए। इससे परिवार के किसी सदस्य को रक्त संबंधी बीमारी भी हो सकती है।

8.किचन और बाथरुम कभी भी एक सीध में नहीं होना चाहिए। इससे परिवार में सदस्यों का स्वास्थय ठीक नहीं रहता है।

9.वास्तु दोष दूर करने के लिए रसोई के दरवाजे पर लाल रंग का क्रिस्टल लगाना चाहिए।

सावधान! पीरियड्स मिस होना सिर्फ प्रेग्नेंसी ही नहीं थायराइड का भी हो सकता है संकेत

पीरियड्स, महिलाओं के जीवन की एक नेचुरल प्रोसेस है, जिसे चाहकर भी नकारा नहीं जा सकता है। शरीर कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो महिलाओं के पीरियड्स को प्रभावित करती हैं, जिसमें इंसुलिन सेंसेटिविटी से लेकर उनका पाचन, इम्यून सिस्टम, थायराइड हार्मोन इंबैलेंस शामिल है। बात सिर्फ थायराइड की करें तो ये ग्रंथि हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि ये शरीर के तापमान को नियंत्रित करने से लेकर ऊर्जा के स्तर को कंट्रोल करने का काम करती है। शरीर में इस हार्मोन की कमी की वजह से ढेर सारी परेशानियां हो सकती है लेकिन पीरियड्स पर इसका कितना गंभीर प्रभाव होता है इस बात की जानकारी शायद ज्यादातर महिलाओं को नहीं होती है। अगर आपको थायराइड है और आपको नहीं पता कि इसमें क्या बदलाव हो रहा है तो आपको बता दें कि सिर्फ पीरियड्स में होने वाली कुछ परेशानियों से आप अपने थायराइड लेवल की सही जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। आइए जानते हैं कैसे....

पीरियड से पता लगाएं थायराइड

हेवी फ्लो

अगर आपको पीरियड्स के दौरान हेवी फ्लो रहता है और आपको 2 घंटे से भी कम वक्त में पैड या फिर टैम्पोन बदलना पड़ता है तो ये हाइपोथायरायडिज्म हो सकता है। इसका मतलब ये है कि आपकी ग्रंथि सही तरीके से थायराइड हार्मोन का उत्पादन नहीं कर पा रही है।

लंबे पीरियड्स

हाइपोथायरायडिज्म की वजह से आपको पीरियड्स के दौरान कई दिक्कत हो सकती हैं, जिसमें से एक पीरियड्स का लंबा होना है। अगर आपके पीरियड्स ज्यादा दिनों तक चलते है तो आपको ये शिकायत हो सकती है।

स्पॉट आना

पीरियड्स में ब्लीडिंग होना सामान्य है लेकिन अगर आपको पीरियड्स से पहले ही स्पॉट आना शुरू हो जाए तो समझ लीजिए कि कुछ न कुछ गड़बड़ है। जी हां, हाइपोथायराइज्म की वजह से आपको पीरियड्स से पहले ब्लीडिंग यानि स्पॉट आने की परेशानी हो सकती है।

पीरियड्स मिस होना

अगर आपके पीरियड्स बार–बार मिस हो रहे हैं तो आपको तुरंत डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है क्योंकि इसकी वजह हाइपोथायरायडिज्म भी हो सकती है। दरअसल ऐसा तब होता है जब आपकी थायराइड ग्रंथि बहुत कम मात्रा में हार्मोन बनाने का काम करती है। इसलिए बिना किसी देरी के आपको थायराइड टेस्ट कराने की जरूरत है।

थायराइड की वजह से समस्याएं

थायराइड ग्रंथि का सही तरीके से काम न करना आपके लिए परेशानी का सबब हो सकता है और कम या ज्यादा मात्रा में हार्मोन का उत्पादन आपको इन परेशानियों का शिकार बना सकता है:

1. इंफर्टिलिटी
2. ह्रदय रोग
3. नसों को होने वाला नुकसान
4. गोइटर
5. बच्चों में जन्मदोष
6. मानसिक स्वास्थ्य होता है प्रभावित
7. कुछ मामलों में भ्रूण को नुकसान

नोट– अगर आपको भी पीरियड्स के दौरान ये सारे लक्षण महसूस हो रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें।

त्वचा को रखना है यंग और ग्लोइंग तो खुद से करें ये 5 स्किन केयर टिप्स फॉलो करने का प्रॉमिस

हर कोई चाहता है कि उसकी स्किन हमेशा जवान रहे और चेहरे पर चमक बरकरार रहे। जिसके लिए वह पार्लर और स्किन केयर ट्रीटमेंट पर काफी पैसा बहाते हैं। लेकिन चेहरे को जवान और चमकदार रखना इतना भी महंगा नहीं है। अगर आप खुद से कुछ वादे कर लेते हैं। ये वादे आपका स्किन केयर रुटीन निर्धारित कर देंगे और आपकी स्किन को हेल्दी रखने में मदद करेंगे। आइए इन स्किन केयर टिप्स के बारे में जानते हैं....

सनस्क्रीन का इस्तेमाल

गर्मियों में सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। यह आपको सूरज कि हानिकारक किरणों से बचाती है। हानिकारक किरणें स्किन डैमेज होने का कारण बनती हैं। इसलिए जब भी घर से बाहर निकलें, तो एसपीएफ 30 से ऊपर वाली सनस्क्रीन जरूर लगाकर निकलें। ऑयली स्किन वाले लोग भी इसको नजरअंदाज ना करें।

स्किन के लिए नुकसानदायक चीजें ना लगाएं

हम सभी की त्वचा अलग होती है, इसलिए जरूरी नहीं कि सभी प्रॉडक्ट्स हर किसी के लिए सही हों। अगर आपको किसी भी प्रॉडक्ट को लगाकर चेहरे पर जलन, खुजली, दाने आदि समस्याएं होती हैं, तो उस स्किन केयर प्रॉडक्ट का इस्तेमाल बंद कर दें।

दिन में 3 बार चेहरा साफ करना

अगर हम अपने चेहरे को ढंग से साफ रखें, तो आधी समस्याएं दूर हो सकती हैं, क्योंकि, चेहरे पर जमा गंदगी और तेल ही ज्यादातर स्किन प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। इसलिए दिन में 2 बार चेहरा जरूर साफ करें। आप सुबह और रात में सोने से पहले फेसवॉश करना ना भूलें।

हफ्ते में 2 बार जेंटल स्क्रब करें

चेहरे से डेड स्किन सेल्स हटाने के लिए स्क्रब करना बहुत जरूरी है। इसलिए हफ्ते में 2 बार स्क्रब जरूर करें, लेकिन ध्यान रखें कि इसके लिए जेंटल स्क्रब का इस्तेमाल करें। आप घर पर बने होममेड स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में हो ये चीजें

जब भी आप कोई ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का चुनाव करें, तो ध्यान दें कि उसमें जरूरी पोषण हो। जैसे विटामिन सी, विटामिन ई, फैटी एसिड्स आदि। जिससे त्वचा को हेल्दी बनाने वाले इंग्रेडिएंट्स मिल सके। इससे आपकी स्किन लंबे समय तक हेल्दी और ग्लोइंग रहेगी।

शरीर में विटामिन पी की कमी को दूर करेंगे ये फूड्स

हेल्दी रहने के लिए शरीर में सभी विटामिन्स, मिनरल्स व अन्य पोषक तत्वों का सही तरह से बैलेंस होना जरूरी है। इन्हीं में से एक है विटामिन पी। यह एक ऐसा विटामिन है, जिसके बारे में लोग कम ही बात करते हैं। जबकि यह शरीर की कार्यप्रणाली को सही तरह से चलाने में मददगार है। विटामिन पी वास्तव में पानी में घुलनशील विटामिन के समूह में है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान फूड आइटम्स के बारे में बता रहे हैं, जो शरीर में विटामिन पी की कमी को दूर करने में सहायक है–

विटामिन पी के हेल्थ बेनिफिट्स

विटामिन पी को फ्लेवोनोइड्स भी कहा जाता है। यह पौधों में पाया जाने वाला एक तरह का यौगिक है और इसे शरीर के लिए बेहद ही आवश्यक माना जाता है। दरअसल, दिल से लेकर दिमाग तक के लिए इसे बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपके मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है और डायबिटीज सहित कई बीमारियों को मैनेज करने में मददगार है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि हर व्यक्ति को अपनी डाइट में विटामिन पी रिच फूड्स को अवश्य शामिल करना चाहिए।

विटामिन पी रिच फूड्स

फ्लेवोनोइड्स या बायोफ्लेवोनॉइड्स को पहले विटामिन पी के रूप में जाना जाता था। फ्लेवोनोइड्स या बायोफ्लेवोनॉइड्स प्लांट बेस्ड खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं।

बता दें कि फ्लेवोनोइड्स मुख्य रूप से 6 प्रकार हैं।

फ्लेवोनोल्स– ये आहार में फ्लेवोनोइड्स के सबसे प्रचुर स्रोत हैं और इसमें कैम्फेरोल, क्वेरसेटिन, माइरिकेटिन और फिसेटिन शामिल हैं। टमाटर, प्याज, गोभी, सेब, अंगूर, जामुन, चाय व रेड वाइन आदि इसके रिच सोर्स हैं।

फ्लेवोन्स– पुदीना, पार्सले, थाइम, सेलरी व कैमोमाइल आदि में फ्लेवोन्स पाए जाते हैं।

फ्लेवनोल्स या फ्लेवन–3–ओल्स– इनमें कैटेचिन शामिल हैं, जैसे एपिकेचिन और एपिगैलोकैटेचिन। ब्लैक, ग्रीन और ऊलोंग टी, ब्लू बैरीज, आड़ू, कोको, सेब, अंगूर और रेड वाइन में फ्लेवनोल्स पाए जाते हैं।

फ्लेवनोन्स– ये सभी खट्टे फलों में पाए जाते हैं और संतरे, नींबू और अन्य खट्टे फलों के छिलके के कड़वे स्वाद के लिए जिम्मेदार होते हैं।

आइसोफ्लेवोन्स– आइसोफ्लेवोन यौगिक, जैसे जेनिस्टिन और डैडजिन, फलियां और सोयाबीन में पाए जाते हैं।

एंथोसायनिन– साइनाइडिन, डेल्फिनिडिन और पेओनिडिन जैसे एंथोसायनिन फलों और सब्जियों के लाल, नीले या बैंगनी रंग के लिए जिम्मेदार होते हैं। क्रैनबेरी, स्ट्रॉबेरीज, ब्लूबैरीज, रास्पबेरी, ब्लैकबेरी आदि में यह पाया जाता है।

टीम इंडिया पसंदीदा, पर कागजों पर कौन है सर्वश्रेष्ठ?

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 विश्व कप के 10वें संस्करण की शुरुआत सात फरवरी से होने जा रही है। कुल 20 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। बांग्लादेश के बाहर होने और पाकिस्तान के ड्रामे के बीच यह टूर्नामेंट सुर्खियों में है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले ग्रुप मैच को खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान को शायद भारत के खिलाफ विश्व कप में एक और हार का डर सता रहा है, यही वजह है कि उसने मैच के बहिष्कार का रास्ता चुना। भारतीय टीम ने 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और इस बार डिफेंडिंग चौंपियन के रूप में उतरेगी। टीम इंडिया टी20 में विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। पाकिस्तान को उसने वनडे और टी20, दोनों तरह के विश्व कप को मिलाकर 16 में से 15 बार हराया है और सिर्फ एक बार भारतीय टीम को हार मिली है। भारत उन तीन टीमों में शामिल है, जिसने टी20 विश्व कप दो–दो बार जीते हैं। टीम इंडिया के अलावा इस लिस्ट में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज हैं। इतना ही नहीं, भारत के पास टी20 में सबसे ज्यादा बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बनाने का भी रिकॉर्ड है।

अब तक खेले जा चुके नौ संस्करणों में तीन टीमों ने दो–दो बार खिताब जीता है। इनमें वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और भारत शामिल हैं। टीम इंडिया मौजूदा डिफेंडिंग चौंपियन भी है। भारत ने 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा खिताब अपने नाम किया था। अब तक छह अलग–अलग टीमें टी20 विश्व कप का खिताब जीत चुकी हैं। इनमें वेस्टइंडीज एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने कभी भी टी20 विश्व कप का फाइनल नहीं हारा है। वहीं भारत और इंग्लैंड को एक–एक बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दो–दो बार फाइनल हार चुकी हैं। इस तरह फाइनल हार के लिहाज से देखें तो वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका दूसरे स्थान पर मौजूद हैं।

आदर्श रूप से क्रिकेट को बल्ले और गेंद के बीच संतुलन का खेल माना जाता है, लेकिन टी20 क्रिकेट आधुनिक दौर का ऐसा प्रारूप बन चुका है, जहां बल्लेबाजों का दबदबा साफ तौर पर नजर आता है। लगातार छक्के लगाना और बड़े स्कोर खड़े करना अब किसी भी मजबूत टीम की पहचान बन चुका है। टी20 क्रिकेट में इस पैमाने पर भी टीम इंडिया सबसे आगे है। भारत ने अब तक 46 बार 200 या उससे अधिक रन का स्कोर खड़ा किया है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम चार बार 250 से ज्यादा रन भी बना चुकी है, जो उसकी आक्रामक बल्लेबाजी की ताकत को दर्शाता है। दुनिया की कोई भी दूसरी टीम 200 से ज्यादा रन 30 बार भी नहीं बना सकी है। इस सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने 28–28 बार 200 का आंकड़ा पार किया है। वहीं वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम सिर्फ दो–दो बार ही 250 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं।

क्रिकेट में पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना अक्सर आसान माना जाता है, क्योंकि उस समय स्कोरबोर्ड का दबाव नहीं होता, लेकिन दूसरी पारी में बड़े लक्ष्य का पीछा करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। इस पैमाने पर भी टीम इंडिया सबसे आगे नजर आती है। भारत के खिलाफ 16 बार 200 से ज्यादा रन का लक्ष्य रखा गया। इन मुकाबलों में मेन इन ब्लू ने 10 बार 200 रन बनाए और इनमें से रिकॉर्ड आठ मैच जीतने में सफलता हासिल की। यह आंकड़ा दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की भारतीय टीम की क्षमता को दर्शाता है। भारत के बाद इस सूची में ऑस्ट्रेलिया का नाम आता है, जिसने सात बार 200 लक्ष्य का सफल पीछा किया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने छह बार 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

अब तक खेले गए नौ टी20 विश्व कप में शीर्ष–आठ की लगभग सभी टीमों ने 45 से 55 मुकाबले खेले हैं। इन सभी टीमों के प्रदर्शन की तुलना करें तो टीम इंडिया का जीत प्रतिशत सबसे बेहतर रहा है। भारत ने 52 मैचों में से 35 मुकाबले जीते, जिससे उसका जीत प्रतिशत लगभग 67 प्रतिशत बनता है। इस मामले में भारत सभी टीमों से आगे है। टीम इंडिया के अलावा सिर्फ दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ही ऐसी टीमें हैं, जो टी20 विश्व कप में अपना जीत प्रतिशत 63 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखने में सफल रही हैं। इस पैमाने पर देखें तो टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत का प्रदर्शन सबसे दमदार रहा है और जीत प्रतिशत के लिहाज से टीम इंडिया शीर्ष पर काबिज है।

विश्व कप की तरह ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी टीम इंडिया ने अपनी दबदबा बनाए रखा है। दुनिया की सभी शीर्ष टीमों ने अब तक 200 से अधिक टी20 मुकाबले खेले हैं, लेकिन इनमें केवल भारत ही ऐसी टीम है, जिसका जीत प्रतिशत 60 प्रतिशत से ऊपर है। मेन इन ब्लू ने 268 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 67 प्रतिशत मुकाबले जीते हैं, जो इस फॉर्मेट में उनकी निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है। अन्य टीमों की बात करें तो पाकिस्तान इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर काबिज है। इस तरह कुल मिलाकर देखें तो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी भारत का दबदबा साफ तौर पर नजर आता है।

क्रिकेट में विदेशी जमीन पर जीत हासिल करना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती माना जाता है, लेकिन इस मामले में भी टीम इंडिया सबसे आगे नजर आती है। भारत न सिर्फ इस सूची में नंबर–एक स्थान पर है, बल्कि टीम ने विदेशी जमीन पर खेले गए 165 मैचों में से 66 प्रतिशत मुकाबले जीतकर रिकॉर्ड कायम किया है। यह आंकड़ा भारत की निरंतरता और मजबूती को साफ तौर पर दर्शाता है। वहीं, दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की टीमें अपने विदेशी दौरों में केवल 55–55 प्रतिशत मैच ही जीत सकी हैं। इस तुलना से साफ है कि विदेशी परिस्थितियों में भी भारतीय टीम का दबदबा बाकी टीमों से कहीं ज्यादा मजबूत रहा है।

आमतौर पर माना जाता है कि घरेलू मैदान पर मैच जीतना विदेशी दौरों की तुलना में आसान होता है, लेकिन टी20 क्रिकेट के नए दौर में ऐसा कहना अब मुश्किल हो गया है। इस बार विश्व कप भारत और श्रीलंका में आयोजित होना है, और ऐसे में घरेलू प्रदर्शन की अहमियत और भी बढ़ जाती है। घरेलू मैदान पर भी टीम इंडिया का रिकॉर्ड सबसे शानदार रहा है। भारत ने 103 मैचों में से 70 मुकाबले जीते, जिससे उसका जीत प्रतिशत लगभग 68 प्रतिशत बनता है। इस मामले में पाकिस्तान भारत के काफी करीब जरूर है, लेकिन फिर भी दोनों टीमों के बीच करीब 0.10 प्रतिशत का अंतर मौजूद है। भले ही अंतर मामूली हो, लेकिन आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि घरेलू मैदान पर भी पाकिस्तान, टीम इंडिया से पीछे ही है।

टी20 क्रिकेट अब पूरी तरह से बल्लेबाजों का खेल बन चुका है। इस फॉर्मेट में शतक लगाना अब पहले जितना मुश्किल नहीं रहा, और लगभग हर दूसरे या तीसरे मुकाबले में कोई न कोई बल्लेबाज शतक जड़ता नजर आता है। इसके बावजूद, इस विभाग में भी टीम इंडिया के बल्लेबाज सबसे आगे हैं। अब तक भारत के बल्लेबाज टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 25 शतक लगा चुके हैं। इस मामले में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जिनके बल्लेबाजों ने 13–13 शतक जमाए हैं।

विपक्षी टीम	भारत की जीत – हार
अफगानिस्तान	8 – 0
स्कॉटलैंड	1 – 0
ऑस्ट्रेलिया	22 – 12
दक्षिण अफ्रीका	21 – 13
इंग्लैंड	17 – 12
श्रीलंका	23 – 9
कनाडा	मैच नहीं खेला
यूएई	2 – 0
इटली	मैच नहीं खेला
जिम्बाब्वे	10 – 3
आयरलैंड	8 – 0
नीदरलैंड	1 – 0
न्यूजीलैंड	18 – 11
नेपाल	1 – 0
ओमान	1 – 0
वेस्टइंडीज	19 – 10
पाकिस्तान	13 – 3
अमेरिका	1 – 0
नामीबिया	1 – 0

संक्षिप्त

भारत में हेलीकॉप्टर उत्पादन से जुड़ा बड़ा समझौता, अदाणी और इटली की कंपनी के बीच करार

नई दिल्ली,एजेंसी। अदाणी ग्रुप और इटली की प्रमुख एयरोस्पेस व रक्षा कंपनी लियोनार्डो ने मंगलवार को भारत में एक इंटीग्रेटेड हेलीकॉप्टर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम मेक इन इंडिया पहल को मजबूती देने के साथ–साथ हेलीकॉप्टर निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इस साझेदारी के तहत अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और लियोनार्डो के बीच राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रस्तावित मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का फोकस भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने पर होगा, खासतौर पर लियोनार्डो के उन्नत AW169M और AW109 ट्रेकरएम सैन्य हेलीकॉप्टरों के लिए। कंपनियों की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह सहयोग चरणबद्ध स्वदेशीकरण चरणबद्ध स्वदेशीकरण, मजबूत रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं के विकास के साथ–साथ व्यापक पायलट ट्रेनिंग को भी शामिल करेगा। इससे रक्षा क्षेत्र के साथ–साथ सिविल एविएशन में भी घरेलू क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। भारत में हेलीकॉप्टरों की उपलब्धता अभी काफी कम है। देश में प्रति आबादी हेलीकॉप्टर घनत्व 250 से भी कम है, जबकि अगले 10 वर्षों में भारत को हर साल लगभग 100 नए हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता होने का अनुमान है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि यह साझेदारी ऐसे एविएशन इकोसिस्टम की नींव रख रही है, जो सिविल और डिफेंस दोनों जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि लियोनार्डो के साथ हमारा सहयोग सिर्फ साझा विशेषज्ञता पर नहीं, बल्कि साझा उद्देश्य पर आधारित है। हम भारत की धरती पर ऐसा इकोसिस्टम बनाएंगे, जिसमें निर्माण, असेंबली, प्रशिक्षण और विश्वस्तरीय सपोर्ट एक साथ उपलब्ध होगा। कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल अगले दशक में 1,000 से अधिक हेलीकॉप्टरों की मांग का अनुमान जता चुके हैं। यह साझेदारी संप्रभु रक्षा विनिर्माण (सोवरेन मैन्युफैक्चरिंग) के विजन को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है। वहीं, लियोनार्डो हेलीकॉप्टर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर जियान पिएरो कुटिलो ने कहा कि भारत एक बड़ा और रणनीतिक बाजार है, जहां सशस्त्र बलों की हेलीकॉप्टरों की मांग लगातार बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब एक सप्ताह पहले ही अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने ब्राजील की प्रमुख कंपनी एम्ब्राएर के साथ भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए रणनीतिक सहयोग की घोषणा की थी।

पाकिस्तान की घबराहट की पूरी कहानी: भारत से हारने का डर, इसलिए बॉयकॉट का बहाना ? मैच से पहले ही पाक का गेम ओवर!

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस चार दिन का वक्त रह गया है। सात फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी से शुरू हुआ ड्रामा अब भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार पर आकर रुक गया है। भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर पाकिस्तान अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहा है। साथ ही 21वीं सदी में पाकिस्तान का आईसीसी टूर्नामेंट्स भी भारत के खिलाफ रिकॉर्ड यह बताता है कि पड़ोसी मुल्का का भारत से खेलने का डर जायज है। टीम इंडिया के खिलाफ लगातार हार ने उन्हें डरा दिया है और यही वजह है कि उसने बॉयकॉट का रास्ता अपनाया। अगर मैच ही नहीं होगा तो उनकी अपने मुल्क में थू–थू नहीं होगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और दिग्गज कमेंटेटर संजय मांजरेकर के हालिया वीडियो ने भारत–पाकिस्तान क्रिकेट बहस को फिर से गर्म कर दिया है। वीडियो में मांजरेकर का साफ कहना है कि अब पाकिस्तान भारत के खिलाफ खेलने से कतरा रहा है, और इसकी वजह कोई राजनीति नहीं बल्कि खेल का डर है। मांजरेकर के शब्दों में, श्सच्चाई ये है कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हराना अब उनके लिए असाधारण चुनौती बन चुका है।श भारत के खिलाफ मैच से बचने या बॉयकॉट की बात करना दर्शाता है कि पाकिस्तान खेल के मैदान में जवाब देने के बजाय बहाने तलाश रहा है।

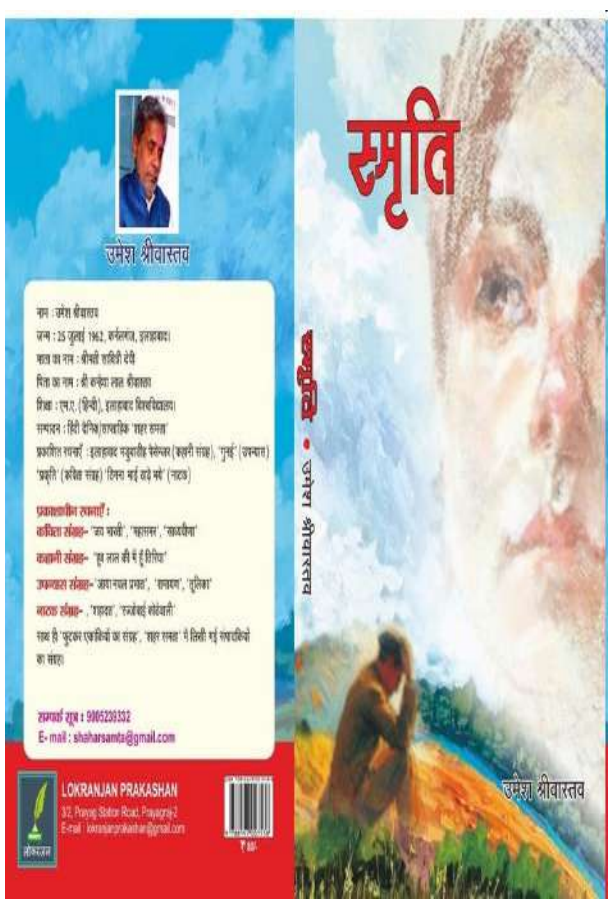

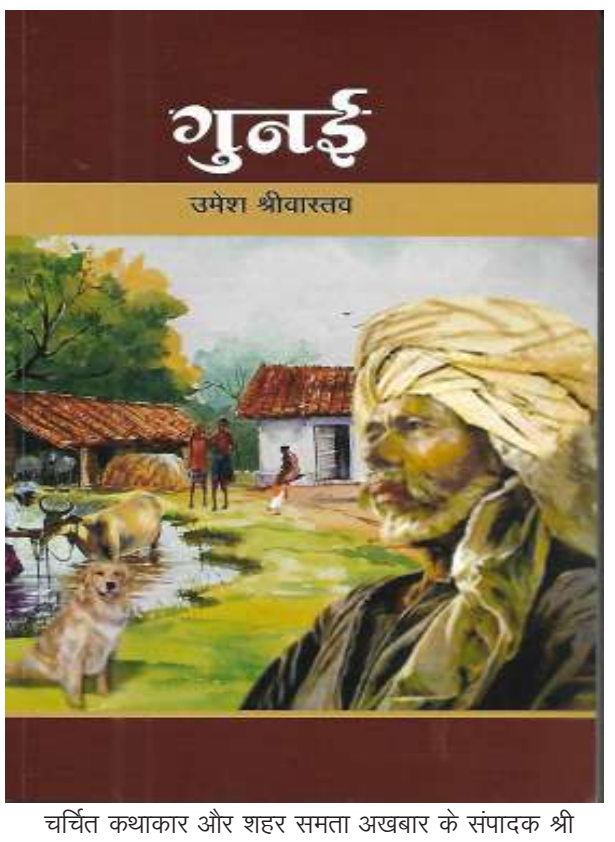

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

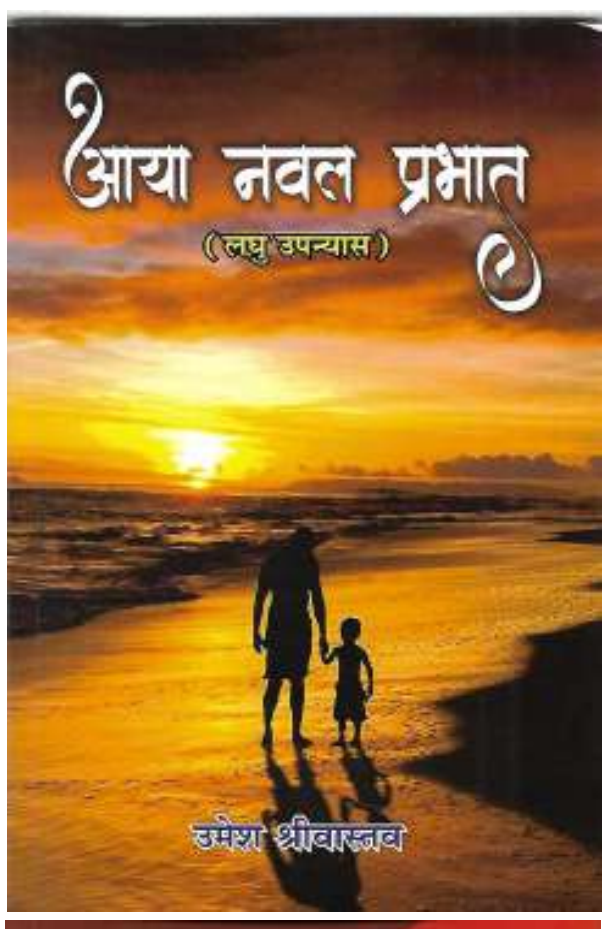

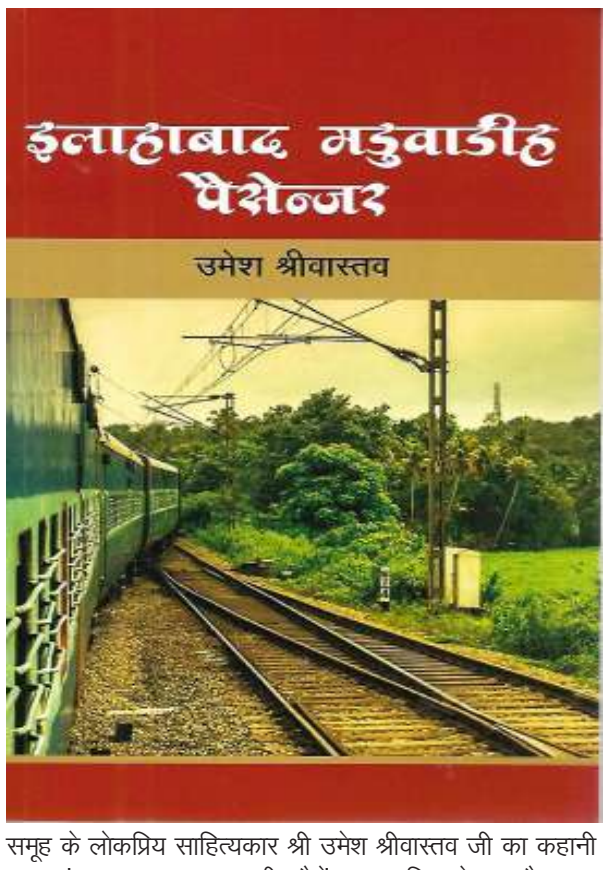

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

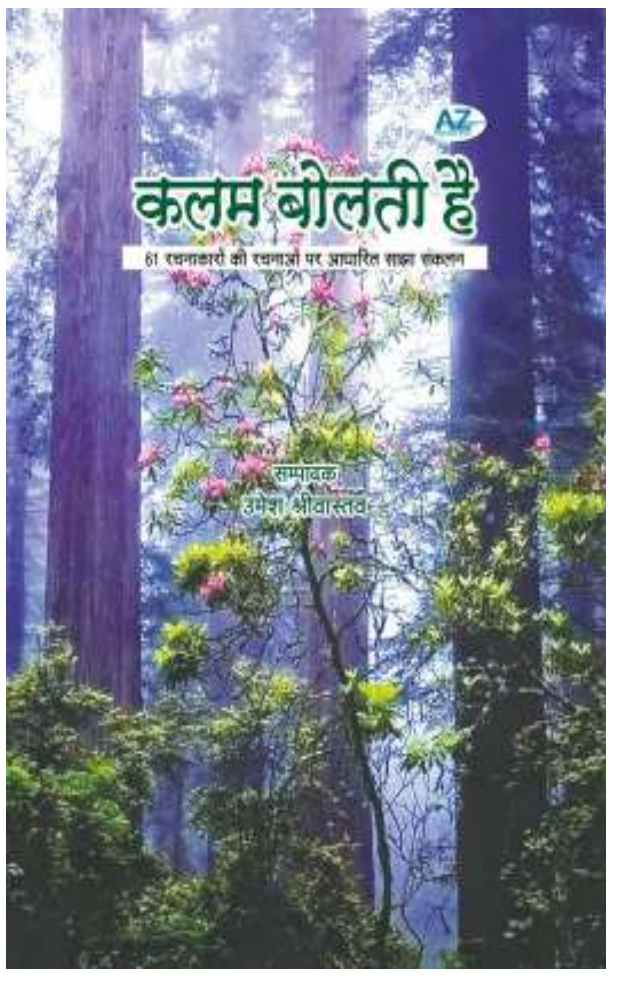

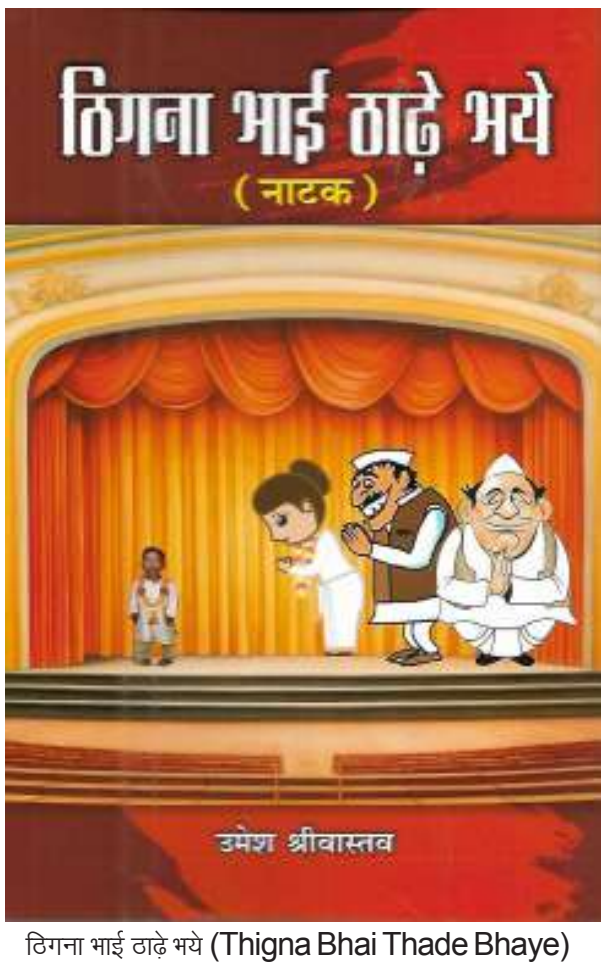

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत-ईयू समझौते का पड़ा दबाव, ट्रंप की टैरिफ कटौती पर अमेरिकी अधिकारी का बड़ा बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच लंबित व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ में भी 18 फीसदी की कटौती की है। इस कदम के बाद दोनों देशों के बीच चल रहा व्यापारिक तनाव कम हो गया है। इस पर अब अमेरिकी शीर्ष राजनयिक में से एक निशा देसाई बिस्वाल की प्रतिक्रिया आई है। यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन की डिप्टी सीईओ निशा बिस्वाल ने कहा कि महीनों की बातचीत से समझौते का ढांचा तो तैयार हो गया है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण विवरण अभी भी प्रतीक्षित हैं। बिस्वाल ने कहा,श्चूंकि हमें अभी

तक कोई कार्यान्वयन संबंधी दिशानिर्देश या विवरण नहीं मिले हैं, इसलिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि यह कैसा दिखता है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत कई महीनों से लिखित समझौतों पर बातचीत कर रहे हैं, इसलिए इनमें से कई विवरण दोनों वार्ताकारों द्वारा पहले ही तय कर लिए गए हैं। समझौते के अंतिम चरण में शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी या उनमें बदलाव आएगा, यह देखना होगा। उन्होंने कहा, श्मुझे लगता है कि राजदूत सर्जियो गोर और राजदूत विनय मोहन क्वात्रा बहुत लगन से काम कर रहे हैं। भारत में एक अमेरिकी राजदूत का राष्ट्रपति के साथ सीधा और व्यक्तिगत संबंध होना मददगार है। इससे समझौते को पूरा करने के लिए जो आवश्यक है, उसके बारे में प्रभावी और स्पष्ट रूप से संवाद करने की क्षमता में विश्वास पैदा होता है। भारत और यूरोपीय संघ ने पिछले सप्ताह एक महत्वपूर्ण समझौते की घोषणा की, जिससे अमेरिकी प्रशासन पर कुछ दबाव पड़ा, क्योंकि अमेरिका भी एक महत्वपूर्ण समझौते पर काम कर रहा था और उन लाभों को खोना नहीं चाहता था। बता दें कि भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच करीब 18 वर्षों से चल रही बातचीत के बाद मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनी। 27 जनवरी को 16वें भारत–ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों पक्षों ने इस ऐतिहासिक समझौते का औपचारिक ऐलान किया। इस ट्रेड डील को वर्ष 2027 से लागू किए जाने की संभावना है। समझौते के लागू होते ही भारत में यूरोप से आयात होने वाले कई उत्पाद सस्ते हो सकते हैं। खास तौर पर यूरोपीय लग्जरी कारों पर लगने वाला आयात शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर लगभग 10 प्रतिशत किए जाने की बात कही जा रही है। इससे बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कारों की कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। इसके अलावा यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर भी टैक्स में भारी कटौती की तैयारी है। फिलहाल इन उत्पादों पर करीब 150 प्रतिशत टैरिफ लगता है, जिसे घटाकर 20 से 30 प्रतिशत के दायरे में लाया जा सकता है।

संक्षिप्त

तुर्किये की मध्यस्थता पर क्या बोले ईरानी राष्ट्रपति? ईरान-अमेरिका वार्ता पर मिले सकारात्मक संकेत

दुबई, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा हमने अपने विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ निष्पक्ष और न्यायसंगत

बातचीत शुरू करने का निर्देश दिया है। सुधारवादी राष्ट्रपति का यह बयान ईरान की ओर से पहला स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। कि ईरान तुर्किये के आयोजित मध्यस्थता बातचीत में हिस्सा ले सकता है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात साझा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने विदेश मंत्री को बातचीत के लिए आगे बढ़ने को कहा है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कुछ जरूरी शर्तें भी रखी हैं। राष्ट्रपति का कहना है कि बातचीत के लिए एक अनुकूल माहौल होना चाहिए। यह माहौल किसी भी तरह की धमकियों और अनुचित उम्मीदों से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह पूरी प्रक्रिया गरिमा, विवेक और समझदारी के सिद्धांतों पर आधारित होनी चाहिए। हालांकि अमेरिका ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि बातचीत होगी।

केंद्रीय बजट के सुधारों से बढ़ेगा वैश्विक निवेश, भारत-अमेरिकी रणनीतिक मंच ने जताया भरोसा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी। भारत–अमेरिकी रणनीतिक साझेदार मंच (यूएसआईएसएफ) ने केंद्रीय बजट का स्वागत कर कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों, क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा और

व्यापार सुगमता पर इसका जोर भारत को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक आकर्षक बनाता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रखे गए बजट पर यूएसआईपीएफ ने सतत विकास, रोजगार सृजन और व्यापार सुगमता वृद्धि वाले प्रगतिशील–व्यापक राजकोषीय ढांचे के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की। यूएसआईपीएफ ने कहा, बजट में प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों, क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा और व्यापार सुगमता पर जोर यूएसआईपीएफ की प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मंच के अध्यक्ष–सीईओ मुकेश अघी ने कहा, बजट सीमा शुल्क, कराधान व रणनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाता है जो प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं और निवेश को बढ़ावा दे भारत की आर्थिक संरचना का हर तरह के आधुनिकीकरण करते हैं। यूएसआईएसएफ ने कहा कि बजट में क्लाउड–डाटा केंद्र पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत कुछ करेंगे। बड़े पैमाने पर वैश्विक निवेश उत्प्रेरित होगा, निर्यात राजस्व बढ़ेगा। ये पहल भारत का प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत करेगी, जिससे देश उन्नत डिजिटल सेवाओं के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यूएसआईएसएफ ने प्रत्यक्ष कराधान और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण में महत्वपूर्ण सुधारों का भी स्वागत किया। उद्योग जगत ने स्थानीय एआई, आईटी और डाटा सेंटर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए घोषित उपायों का स्वागत किया है, जिससे भारत का आईटी इकोसिस्टम मजबूत होगा व प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। सिंगापुर में भारतीय व्यापार समुदाय भी खुश है। समुदाय ने केंद्रीय बजट का स्वागत कर कहा, यह बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण, नवोन्मेष तथा वित्तीय अनुशासन पर आधारित दीर्घकालिक एवं सतत विकास के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सिंगापुर इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा, सिंगापुर के व्यवसायों के लिए यह बजट पारस्परिक रूप से लाभकारी है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को 10 साल की जेल भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में मिली सजा

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग–अलग मामलों में कुल 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। ये मामले सरकार की एक आवासीय योजना में जमीन के आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े हैं। ढाका की स्पेशल जज कोर्ट–चार के जज रबीउल आलम ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोनों मामलों में शेख हसीना को पांच–पांच साल की सजा दी। ये मामले राजधानी ढाका के पास पूर्बाचोल इलाके में चल रही राजुक न्यू टाउन परियोजना से जुड़े हैं। आरोप है कि वहां दो 10–काठा के प्लॉट गलत तरीके से आवंटित किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को तोड़ा और जमीन आवंटन की प्रक्रिया में हेरफेर की। यह परियोजना राजधानी विकास प्राधिकरण (राजधनी उन्नयन कर्तृपक्खा) यानी राजुक के तहत आती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर ईएएम जयशंकर रुबियो से मुलाकात और अहम बैठकों में करेंगे शिरकत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को वॉशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–अमेरिका के बीच एक नए व्यापार समझौते की घोषणा की है। जयशंकर 2 से 4 फरवरी तक अमेरिका के दौरे पर हैं। इस दौरान वह बुधवार को होने वाली पहली क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल बैठक में हिस्सा लेंगे, जिसकी मेजबानी मार्को रुबियो कर रहे हैं। इस बैठक का मकसद अहम खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट आदि) की सप्लाई चेन को मजबूत और सुरक्षित बनाना है, जो नई

तकनीक, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। इस मुलाकात से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर बताया कि भारत और अमेरिका के बीच समझौता हुआ है। इसके तहत भारत पर लगने वाला अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ 25: से घटाकर 18: कर दिया गया है। इससे भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में बड़ी राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि श्मेड इन इंडिया उत्पादों पर 18 प्रतिशत टैरिफ भारत के 1.4 अरब लोगों के लिए अच्छी खबर है। इसके लिए राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद।श उन्होंने यह भी कहा कि दोनों बड़े लोकतंत्र जब साथ काम करते हैं, तो इससे दुनिया को फायदा होता है और शांति–समृद्धि को बढ़ावा मिलता है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह पहली क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल बैठक देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देगी। इसमें सप्लाई चेन को विविध और भरोसेमंद बनाने पर जोर होगा। इस बैठक में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, मार्को रुबियो समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शुरुआती संबोधन देंगे। अमेरिका और भारत के हालिया संबंध को देखते हुए जयशंकर–रुबियो की यह मुलाकात और नया व्यापार समझौता भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

अमेरिका-ईरान में तनाव घटाने की कोशिश, युद्ध टालने के लिए तुर्किये ने की मध्यस्थता की पेशकश

दुबई, एजेंसी। तुर्किये इस हफ्ते के अंत तक अमेरिका और ईरान के बीच एक बैठक कराने की कोशिश कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध के खतरे को कम करना है। हालांकि न तो अमेरिका और न ही ईरान ने इस बात की पुष्टि की है कि वे किसी भी बातचीत में हिस्सा लेंगे या नहीं। तुर्किये के अधिकारी चाहते हैं कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी नेताओं के बीच सीधी बातचीत हो। इस सबके बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल नष्ट करने वाले जहाज तैनात कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई समझौता हो जाएगा, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर बात नहीं बनी तो नतीजे बहुत बुरे हो सकते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने फिलहाल ईरान में सत्ता बदलने की किसी भी योजना से इनकार किया है। इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी समूह घोषित कर दिया है। इसके विरोध में ईरान ने तेहरान में मौजूद यूरोपीय संघ के सभी राजदूतों को तलब किया। ईरानी विदेश मंत्रालय के बगाई ने पत्रकारों को बताया कि राजदूतों को रविवार से बुलाया जाना शुरू हो गया था और सोमवार तक यह जारी रहा। बगाई ने कहा, ष्हमें लगता है कि आने वाले दिनों में जवाबी कार्रवाई के बारे में फैसला लिया जाएगा।ष सोमवार को ब्रिटेन ने भी कार्रवाई करते हुए ईरान के गृह मंत्री और नौ अन्य अधिकारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड पर जनवरी के प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने का आरोप है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, इन प्रदर्शनों में 6,848 से ज्यादा लोग मारे गए, जबकि ईरान सरकार ने 21 जनवरी तक यह संख्या 3,117 बताई है। हाल ही में ईरान के एक सरकारी टीवी शो में इन मौतों का मजाक उड़ाने पर चौनल प्रमुख, साथ ही कार्यक्रम के निर्माताओं और होस्ट के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास भी शुरू कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिका ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि वह व्यापारिक जहाजों या अमेरिकी युद्धपोतों के काम में बाधा न डाले। सैटेलाइट तस्वीरों में इस इलाके में ईरानी नौसेना की हलचल साफ देखी गई है।

एपस्टीन विवाद की जांच में गवाही देने को बिल-हिलेरी क्लिंटन तैयार, फिर भी लटकी अवमानना की तलवार!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में हाउस (निचले सदन) की जांच के सामने गवाही देने पर सहमति जता दी है। यह सहमति ऐसे समय आई है, जब कांग्रेस उन्हें कांग्रेस की अवमानना का दोषी ठहराने पर वोट कराने की तैयारी कर रही थी। हाउस ओवरसाइट कमेटी के रिपब्लिकन अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने बताया कि क्लिंटन दंपती के वकीलों ने ई–मेल भेजकर कहा है कि दोनों श्आपसी सहमति से तय तारीखों पर डिपॉजिशन (शपथ के तहत बयान)श देने को तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि अवमानना की कार्रवाई रोकी जाए। हालांकि कॉमर ने कहा कि अभी कोई लिखित समझौता नहीं हुआ है, इसलिए वह फिलहाल अवमानना की प्रक्रिया वापस नहीं ले रहे। दरअसल, कॉमर चाहते थे कि बिल और हिलेरी–दोनों–कमेटी के सामने शपथ के तहत डिपॉजिशन दें। इससे पहले क्लिंटन पक्ष ने प्रस्ताव दिया था कि बिल क्लिंटन 4 घंटे का लिखित (ट्रांसक्राइब्ड) इंटरव्यू दें और हिलेरी क्लिंटन शपथ पत्र जमा करें लेकिन कॉमर ने इसे खारिज कर दिया। उनका कहना था, श्कानूनी समन की शर्तें क्लिंटन तय नहीं कर सकते। यह जांच दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और उसके सहयोगियों से जुड़ी है। एपस्टीन 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या कर चुका है, जब उस पर यौन तस्करी के आरोप थे। बिल क्लिंटन के साथ एपस्टीन के पुराने संबंधों को लेकर सवाल उठते रहे हैं, हालांकि क्लिंटन पर किसी तरह की गलत हरकत का आरोप नहीं है। ओवरसाइट कमेटी ने अगस्त में क्लिंटन दंपती को समन भेजा था। महीनों तक वे इसकी वैधता पर सवाल उठाते रहे। जब अवमानना की कार्रवाई आगे बढ़ी, तब बातचीत शुरू हुई। पिछले महीने कमेटी ने आपराधिक अवमानना के आरोप आगे बढ़ाए थे, जिसमें कुछ डेमोक्रेट सदस्यों ने भी पारदर्शिता के नाम पर समर्थन किया। क्लिंटन पक्ष ने कॉमर पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उनके प्रवक्ता एंजेल उरेना ने कहा कि क्लिंटन ने सद्भावना से बातचीत की, लेकिन कॉमर ने नहीं। वहीं डेमोक्रेट्स का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान न्याय विभाग (डीओजे) ने एपस्टीन से जुड़े सभी केस फाइल्स समय पर जारी नहीं किए,

आईपीओ से पहले एलन मस्क का मास्टर स्ट्रोक, स्पेसएक्स और एक्स एआई का किया विलय, क्यों उठाया ये कदम?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष की दुनिया में एलन मस्क ने बड़ा दांव खेला है। मस्क ने अपनी स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया है। उनकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने सोमवार को

घोषणा की कि उसने एक्स एआई कंपनी को खरीद लिया है। स्पेस एक्स ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह कदम मस्क की तकनीकी ताकत को और मजबूत करने के लिए उठाया गया है। इस विलय के साथ अब इस नए बड़े कंपनी में अब कई चीजें एक साथ काम करेंगी। जैसे कि मक्स का उनका एआई चौटबॉट ग्रोक, उपग्रह संचार कंपनी स्टारलिंक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स। मस्क ने बार–बार कहा है कि उनका सपना है कि भविष्य में डेटा सेंटर यानी बड़े कंप्यूटर और सर्वर, अंतरिक्ष में चल सकें। बता दें कि टेक की दुनिया में मस्क के इस मास्टर स्टॉक से तकनीक तेजी से विकसित होगी और दुनिया भर में इंटरनेट और एआई की पहुंच आसान होगी। कुल मिलाकर विशेष बात यह है कि यह कदम मस्क की बड़ी योजना के हिस्से के रूप में लिया गया है, जिसमें वह इस नई सुपर टेक कंपनी को साल के अंत तक शेयर मार्केट में लाने का सोच रहे हैं। यानी, कंपनी का प्ब् किया जाएगा, जिससे आम लोग भी इसमें निवेश कर सकेंगे। संक्षेप में कहा जाए तो, एलन मस्क एक ऐसी कंपनी बना रहे हैं जो अंतरिक्ष, एआई और इंटरनेट के क्षेत्र में उनकी पूरी ताकत को जोड़ देगी।

अब कहां जाएगा पाकिस्तान?: रूस की चौखट से भी मिली जिल्लत, भारत के साथ विवाद में मध्यस्थता नहीं करेंगे पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहे आतंकियों के पनाहगार पाकिस्तान को अब रूस ने भी सख्त सलाह दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए रूस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी प्रकार से मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभाएगा।

रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विवाद को दोनों देशों को स्वयं द्विपक्षीय रूप से सुलझाना चाहिए और रूस केवल तभी मदद करेगा जब कोई देश विशेष रूप से अनुरोध करे। कुल मिलाकर देखा जाए तो रूस का यह बयान एक तरफ भारत के लिए कूटनीतिक सहारा है। तो दूसरी ओर पाकिस्तान के लिए सख्त संदेश है कि तनाव का समाधान स्वयं से बातचीत कर निकाले, ना कि मदद की गुहार लगाने के लिए दूसरे देशों की चौखट पर जाए।

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान और भारत को अपने विवाद 1972 के शिमला समझौते और 1999 के लाहौर समझौते के अनुसार खुद सुलझाना चाहिए। इसका मतलब है कि रूस पाकिस्तान और भारत के बीच सीधे किसी समाधान में दखल नहीं देगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।